रांची, शनिवार, 26 अक्टूबर 2024

संवत 2081, कार्तिक कृष्ण पक्ष-9 मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 49 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ सारे विश्व ने भारत से सीखा परोपकार

ऋतिक रोशन के जन्मदिन पर रिलीज होगी डॉक्यूमेंट्री 'द रोशन्स' ◀◀ 6

क्रिकेट के बाद चुनाव के मैदान में उतरे एमएस धोनी, चुनाव आयोग ने दी बड़ी जिम्मेदारी

मेट्रो रेज

रांचीः कैप्टन कूल एमएस धोनी अब क्रिकेट के मैदान से इतर चुनाव के मैदान में भी दिखाई देंगे, लेकिन हैरान मत होइए, धोनी चुनाव नहीं लड़ रहे हैं, बल्कि वह सिर्फ मतदाताओं को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करते दिखाई देंगे। दरअसल चुनाव आयोग ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिह धोनी को झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया है।

मतदाताओं को जागरुक करेंगे धोनीः झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि महेंद्र सिंह धोनी ने भी विधानसभा चुनाव के दौरान उनकी तस्वीर का इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है। के रवि कुमार ने बताया कि 'महेंद्र सिंह धोनी ने चुनाव आयोग को उनकी तस्वीर का इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है। हम अन्य विस्तृत जानकारी के लिए उनके संपर्क में हैं। महेंद्र सिंह धोनी मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करेंगे।' धोनी झारखंड की राजधानी रांची के निवासी हैं और भारतीय क्रिकेट टीम का बड़ा नाम रहे हैं। अब चूंकि झारखंड में लोकतंत्र का उत्सव मनाया जा रहा है, ऐसे में चुनाव आयोग को मतदाताओं के बीच जागरुकता बढ़ाने के लिए एमएस धोनी सबसे उपयुक्त चेहरा हैं।

झारखंड में दो चरणों में होगा मतदानः झारखंड में दो चरणों में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा। पहले चरण में 43 सीटों के लिए 13 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। शुक्रवार को पहले चरण के लिए उम्मीदवारों के नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। पहले चरण में जिन बड़े नेताओं ने नामांकन दाखिल किया है, उनमें पूर्व सीएम चंपई सोरेन, सीएम हेमंत सोरेन का नाम शामिल है। साथ ही आजसू पार्टी के प्रमुख और पूर्व डिप्टी सीएम सुदेश महतो ने भी सिल्ली सीट से नामांकन दाखिल किया। झारखंड में झामुमो के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन का मुकाबला भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन से है। क्ठउक्रअ में झामुमो, कांग्रेस, राजद शामिल हैं। वहीं एनडीए में भाजपा, आजसू, जनता दल यूनाइटेड, लोजपा शामिल हैं।

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024

चुनाव आयोग के पुलिस आब्जर्वर ने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का किया निरीक्षण, दिये कई निर्देश

चुनाव इस बार दो चरणों में होंगे। पहले चरण में 13 नवंबर और दूसरे चरण में 20 नवंबर को वोटिंग होगी।

मेट्रो रेज

रांची : चुनाव आयोग के पुलिस आब्जर्वर ने आज स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। ऑब्जर्बर आईपीएस राहुल मलिक ने पंडरा स्थित स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया साथ ही सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित कई दिशा निर्देश भी दिये। इस मौके पर रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता भी उपस्थित थे।

पहले चरण में 13 नवंबर, दूसरे चरण में 20 को होगी वोटिंग : झारखंड विधानसभा चुनाव इस बार दो चरणों में होंगे। पहले चरण में 13 नवंबर और दूसरे चरण में 20 नवंबर को वोटिंग होगी। पहले चरण में 13 जिलों की 30 सीटों पर मतदान होगा, जबकि दूसरे चरण में 16 जिलों की 36 सीटों पर वोट डाले जाएंगे।

महिला ने अपने दो मासूम बच्चों को अलग-अलग कुएं में फेंका

गुमलाः जिले में एक महिला ने अपने दो मासूम बच्चों को कुएं में फेंक दिया। महिला का कहना है कि उसका पति दूसरी औरत को लेकर बेंगलुरु चला गया। इस वजह से उसने घटना को अंजाम दिया। महिला ने कहा कि उसे बच्चों को पालने में दिक्कत हो रही थी। मेरे पास और कोई उपाय नहीं था इसलिए मैंने इस घटना को अंजाम दिया।

अब लखनऊ में बरेली-वाराणसी एक्सप्रेस को पलटने की साजिश

लखनऊः कानपुर के बाद लखनऊ में भी ट्रेन पलटाने की साजिश रची गई। मलिहाबाद रेलवे स्टेशन के पास बृहस्पतिवार को ट्रैक पर रखी पेड़ की डाल बरेली-वाराणसी एक्सप्रेस में फंस गई। इससे ट्रेन का एक्सल काउंटर टूट गया। चालक ने ट्रेन रोककर अधिकारियों को सूचना दी। रेलवे की टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया तो ट्रैक पर लकड़ी और पत्थर रखे मिले। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। रेलवे की ओर से साजिश की आशंका जताते हुए मलिहाबाद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। सीनियर सेक्शन इंजीनियर अजय कुमार की तरफ से दर्ज कराई गई रिपोर्ट के मुताबिक महिलाबाद स्टेशन के पास बरेली-वाराणसी एक्सप्रेस के इंजन में लकड़ी फंस गई। घटनास्थल की जांच में ट्रैक पर लकड़ी और पत्थर डाले जाने का पता चला। ताजा टूटा एक्सल काउंटर भी पड़ा मिला। इस आपराधिक साजिश के चलते बड़ी जनहानि हो सकती थी।

डॉ रविंद्र राय बने झारखंड बीजेपी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष

धनबादः झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले बीजेपी ने पूर्व सांसद रवींद्र कुमार राय को बड़ी जिम्मेदारी दी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उन्हें झारखंड प्रदेश का नया कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह के हस्ताक्षर से शनिवार को यह लेटर जारी कर दी गयी है। बता दें कि कुछ समय पहले रवींद्र राय की नाराजगी चर्चा तेज हो गयी थी।

ईरान का दावा- इस्त्राइली हमला नाकाम किया, अमेरिका ने तेहरान को दी चेतावनी

तेहरान : इस्त्राइल के हवाई हमले के बाद ईरान ने बयान जारी कर कहा है कि उनके हवाई सुरक्षा सिस्टम ने इस्त्राइली हमले को नाकाम कर दिया। ईरान ने कहा कि कई मिसाइलों को हवा में ही तबाह कर दिया गया। जो मिसाइलें और रॉकेट गिरे हैं, उनसे बेहद कम नुकसान हुआ है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी ने कहा कि हवा में ही इस्त्राइल की मिसाइलों को तबाह कर दिया गया। वहीं अमेरिका ने जवाबी हमले के लिए ईरान को चेताया है। साथ ही दोनों देशों को एक दूसरे पर सैन्य हमले बंद करने की सलाह दी है।

ईरान का दावा- इस्त्राइली हमला नाकाम किया : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान की राजधानी तेहरान में धमाके की छह आवाजें सुनी गईं। हवाई सुरक्षा सिस्टम ने तेहरान में तीन जगहों पर हमले को नाकाम कर दिया। ईरान ने इस्त्राइल पर जवाबी हमले की धमकी भी दी है। इससे पहले इस्त्राइली सेना ने बयान जारी कर ईरान पर हवाई हमले की जानकारी दी। इस्त्राइली सेना ने कहा कि ईरान के सैन्य ठिकानों पर पूरी सटीकता से हमले किए गए। इस्त्राइल ने ईरान के साथ ही सीरिया में भी ईरान समर्थित ठिकानों पर हमले किए। इस्त्राइली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि 'हमारा संदेश साफ है कि अगर कोई भी इस्त्राइल को डराने-धमकाने की कोशिश करेगा तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। हमने आज इसका नमूना दिखा दिया है। हम इस्त्राइल और इसके लोगों की सुरक्षा के लिए रक्षात्मक और आक्रामक दोनों तरीकों से तैयार हैं।' इस्त्राइली सेना ने ईरान को जवाबी हमले को लेकर भी चेतावनी दी है।

सऊदी अरब ने की इस्त्राइली हमले की आलोचना : इस्त्राइल के ईरान पर हमले की सऊदी अरब ने आलोचना की है और इसे ईरान की संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। सऊदी अरब ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वे संघर्ष को खत्म कराने के लिए एकजुट होकर कार्रवाई करें। वहीं हमले के बाद इस्त्राइल ने अपना हवाई क्षेत्र एहतियातन बंद करने का फैसला किया है। ईरान ने भी हमले के तुरंत बाद अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था और सभी उड़ानों को रद्द कर दिया था, लेकिन अब ईरान ने अपनी उड़ान सेवाओं को फिर से चालू करने का फैसला किया है।

अमेरिका ने ईरान को चेतावनी : वहीं अमेरिका भी इस्त्राइल के समर्थन में आ गया है और उसने ईरान को जवाबी हमले को लेकर चेतावनी दी है। अमेरिका ने कहा कि ईरान पर इजराइल के हमलों के बाद दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष सैन्य हमले बंद हो जाने चाहिए, उसने तेहरान को चेतावनी दी कि वह इजराइल के खिलाफ कोई जवाबी कार्रवाई न करे। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि इस्त्राइल ने ईरान पर हमले से पहले ही व्हाइट हाउस को इसके बारे में जानकारी दे दी थी।

लोंगडिंग में सेना की बड़ी कार्रवाई

भीषण मुठभेड़ में मार गिराया एक आतंकी, गोला बारूद बरामद

लोंगडिंग :अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले में भारतीय सेना ने एक आतंकी को मार गिराया है। चांगखाओ क्षेत्र में आतंकियों और सेना के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक आतंकी मारा गया।

भारतीय सेना की स्पीयर कोर ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले के चांगखाओ क्षेत्र में उग्रवादियों की गतिविधि की खुफिया जानकारी मिलने पर असम राइफल्स ने 25 अक्टूबर 2024 को तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान आतंकियों ने जवानों पर गोलीबारी शुरू कर दी।

त्वरित प्रतिक्रिया करते हुए जवानों ने जवाबी कार्रवाई की और गोलीबारी में एनएससीएन (के-वाईए) का एक उग्रवादी मारा गया। घटनास्थल से एक पिस्तौल और युद्ध सामग्री बरामद की गई।

कुलगाम में सेना का जवान शहीद, आठ घायल

श्रीनगरः जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिला में सेना का वाहन पलट जाने से एक सेना का जवान शहीद हो गया और आठ अन्य घायल हो गए। सेना के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि दुर्घटना कुलगाम के दम्हल हंजिपोरा में शुक्रवार देर रात तब हुई, जब कुछ सैनिक एक अभियान के लिये जा रहे थे। उसी दौरान, उनका वाहन दम्हल हांजीपोरा में फिसलकर पलट गया। इसमें एक सैनिक शहीद हो गया और आठ सैनिक घायल हो गये। घायल सैनिकों को तत्काल अस्पताल भर्ती कराया गया है, जहाँ उनकी हालत स्थिर है। फिलहाल, शहीद सैनिक की पहचान नहीं हो पायी है। श्री नगर स्थित चिनार कोर ने एक्स पर लिखा, 25 अक्तूबर की रात कुलगाम जिला में एक अभियान के दौरान सेना का वाहन फिसलकर पलट गया।

गुरुग्राम मकान में लगी भीषण आग, जिंदा जले चार लोग

गारमेंट कंपनी में करते थे टेलर का काम

गुरुग्राम : हरियाणा के गुरुग्राम से बड़ी खबर है। सरस्वती एनक्लेव के जी ब्लॉक में एक मकान में आग लग गई। आग लगने से चार लोग जिंदा जल गए। सभी मृतक गारमेंट कंपनी में टेलर का काम करते थे।

जानकारी के अनुसार, गुरुग्राम के सरस्वती एनक्लेव के जी ब्लॉक में शुक्रवार के देर रात करीब 2:00 बजे आग लग गई। आग की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई।

शुरूआती जानकारी में सामने आया है कि सभी लोग गारमेंट कंपनी में टेलर का काम करते थे। सभी मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। मरने वालों में एक की शादी हुई थी। उसकी पत्नी और बच्चे दिवाली के त्योहार पर घर गए थे।

मृतकों की पहचान नूर आलम, मुस्ताक, अमन और साहिल के रूप में हुई है। ये सभी बिहार के रहने वाले थे। यहां इस मकान में किराए पर रहते थे। इन सभी की उम्र 20 से 30 वर्ष के बीच है।

आधार कार्ड नहीं है डेट ऑफ बर्थ का प्रूफ, सुप्रीम कोर्ट ने एसएलसी पर लगायी मुहर

नई दिल्लीः भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) की ओर से जारी किया जाने वाला आधार कार्ड आज की तारीख में अहम दस्तावेजों में से एक है। इसके बिना न तो आप किसी स्कूल-कॉलेज में कोई विद्यार्थी दाखिला ले सकता और न ही परीक्षा के लिए उसका रजिस्ट्रेशन हो सकता है। सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने, बैंक में खाता खुलवाने और यहां तक कि मोबाइल सिम खरीदने के लिए भी आधार कार्ड की मांग की जाती है। इसमें दर्ज जन्मतिथि को ही असली डेट ऑफ बर्थ मान लिया जाता है। लेकिन, अब यह डेट ऑफ बर्थ का प्रूफ नहीं रहा। सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड में दर्ज जन्मतिथि को डेट ऑफ बर्थ प्रूफ के तौर पर मानने से इनकार कर दिया है। सर्वोच्च अदालत ने एक दूसरे दस्तावेज पर अपनी मुहर लगाई है, जो हर किसी के पास उपलब्ध होता है।

यूआईडीएआई खुद आधार को नहीं मानता जन्म प्रमाणपत्रः सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार 24 अक्टूबर 2025 को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें मुआवजा देने के लिए रोड एक्सीडेंट में जान गंवाने वाले व्यक्ति की उम्र निर्धारित करने के लिए आधार कार्ड को स्वीकार कर लिया गया था। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा कि हमने पाया कि भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने अपने परिपत्र संख्या 8/2023 के जरिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से 20 दिसंबर, 2018 को जारी एक ऑफिस मेमोरेंडम के जवाब में कहा है कि एक आधार कार्ड पहचान स्थापित करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन यह जन्मतिथि का प्रमाण नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने एसएलसी को माना जन्म का असली प्रमाणपत्रः बेंच ने आगे कहा कि रोड एक्सीडेंट में जान गंवाने वाले व्यक्ति की उम्र किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 94 के तहत विद्यालय परित्याग प्रमाणपत्र (एसएलसी) में उल्लिखित जन्मतिथि से निर्धारित की जानी चाहिए। सर्वोच्च अदालत ने दावेदार-अपीलकर्ताओं के तर्क को स्वीकार कर लिया और मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) के फैसले को बरकरार रखा। एमएसीटी ने मृतक की उम्र की गणना उसके विद्यालय परित्याग प्रमाणपत्र के आधार पर की थी। सर्वोच्च अदालत 2015 में एक सड़क दुर्घटना में मारे गए एक व्यक्ति के परिजनों की ओर दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी।

रोहतक के एमएसीटी ने भी एसएलसी को ही बताया था जायजः एमएसीटी रोहतक ने 19 135 लाख रुपये के मुआवजे का आदेश दिया था जिसे हाईकोर्ट ने यह देखने के बाद घटाकर 9 122 लाख रुपये कर दिया कि एमएसीटी ने मुआवजे का निर्धारण करते समय उम्र गुणक को गलत तरीके से लागू किया था। हाईकोर्ट ने मृतक के आधार कार्ड पर भरोसा करते हुए उसकी उम्र 47 वर्ष आंकी थी। परिवार ने दलील दी कि हाईकोर्ट ने आधार कार्ड के आधार पर मृतक की उम्र निर्धारित करने में गलती की है, क्योंकि यदि उसके विद्यालय परित्याग प्रमाणपत्र के अनुसार उसकी उम्र की गणना की जाती है, तो मृत्यु के समय उसकी उम्र 45 वर्ष थी।

न्यूज ब्रीफ

28 अक्टूबर को नॉमिनेशन करेंगे देवेंद्रनाथ महतो

रांचीः राज्य में विधानसभा चुनावी सरगरमी तेज है। यह चुनाव दो चरणों में संपन्न होगी। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो ने सिल्ली विधानसभा क्षेत्र से आज शुक्रवार को एक प्रति नॉमिनेशन फाइल कर ताल ठोक दिया है। श्री महतो 28 अक्टूबर को अपना नोमिनेशन प्रक्रिया को पूर्ण संपन्न करेंगे। 28 अक्टूबर को विधिवत तरीके से अन्य तीन प्रति नॉमिनेशन फाइल कर प्रक्रिया को पूर्ण संपन्न किया जाएगा। विधानसभा क्षेत्र के संगठन चुनाव प्रभारी कृष्णा महतो ने कहा कि सभ्य तरीके से सम्पन्न किया जाएगा। संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी सहित हजारों भारी समर्थकों के साथ नामांकन जुलूस निकाला जाएगा। जिसकी प्रशासनिक अनुमति प्राप्त कर लिया गया है। नामांकन रैली का रुट जारी करते हुए बताया कि राहे, सोनाहतु और सिल्ली प्रखंड के सभी लोग टुटकी मैदान सिल्ली में एकत्रित होंगे। वही अन्य संपूर्ण राज्य से आने वाले संगठन कार्यकर्ता व जनसाधारण का जुटान इइएफ मैदान टाटीसिल्वे में होगा। इसके बाद सभी का एक साथ मोरहाबादी मैदान में जुटान होना तय होगा। तद उपरांत वहां से पदयात्रा करते हुए समहरणालय भवन रांची पहुंचेंगे। सिल्ली प्रत्याशी देवेंद्रनाथ महतो के अधिवक्ता षष्टी रंजन ने बताया कि 28 अक्टूबर को अन्य तीन प्रति नॉमिनेशन विधिवत तरीके से हजारों जनता के समक्ष कुल चार प्रति नोमिनेशन को सम्पन्न किया जाएगा। बताते चले कि देवेंद्रनाथ महतो को पिछले रांची लोकसभा चुनाव मे नॉमिनेशन के दौरान हीं गिरफ्तार कर लिया गया था। 17 दिनों तक जेल से रह कर चुनाव लड़े जिसमें उन्हें सवा लाख से अधिक मत हासिल हुआ था।

रांची जिला राजद ने किया विधानसभा स्तरीय चुनाव संचालन समिति का गठन

रांचीः रांची जिला राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष धर्मेंद्र महतो ने विधानसभा स्तरीय चुनाव संचालन समिति का गठन किया है। समिति के सदस्य इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रत्याशी सहित गठबंधन के साथियों के साथ मिलकर चुनाव प्रचार कार्यक्रम और प्रचार प्रसार करेंगे। समिति में शामिल सदस्यों में रांची विधानसभा क्षेत्र में रामप्यारे यादव, मुर्शीद आलम खान, भास्कर वर्मा, अनिल शर्मा, मोहम्मद कशीद, अनवर आलम, मोहम्मद शाहाबाद और मोहम्मद कलीम कांके विधानसभा क्षेत्र में सलिल अंसारी, सूरज कुमार, अजय कुमार यादव, विकास कुमार यादव, मोहम्मद यूनुस खान, सज्जाद अंसारी, सिद्धेश्वर ठाकुर, इस्माइल अंसारी, मिथिलेश पासवान, अजय कुमार महतो, कृष्णा कुमार और तनवीर खान

हटिया विधानसभा क्षेत्र में मुख्तार अंसारी, निरंजन महतो, राम भजन सिंह, कमलेश कुमार यादव, मोहम्मद मोईज, चंचल कुमार, यशवंत यादव, विद्या विनोद सिंह, आलोक कुमार सिंह और उज्जवल दास खिजरी विधानसभा क्षेत्र में सुग्रीव यादव, विजय राम, राम भगत, अशोक यादव, हरिंदर यादव, मनोज पंजाबी, सत्यनारायण सिंह, आलोक कुमार सिंहा और नवीन कुमार सिल्ली विधानसभा क्षेत्र में रमापति महतो, फिरेंद्र महतो, भोला दास और तपन महतो

और मांडर विधानसभा क्षेत्र में योगेंद्र यादव, अजीत केसरी, मजीद अंसारी, संजय यादव, जय नंदन यादव, हरि उरांव, रमेश यादव, देवनंदन यादव और मोहम्मद शाकिब के नाम शामिल हैं।

निजी कारणों से इस्तीफा दिया हूं : रामानंद बेदिया

सिल्लीः झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष रामानंद बेदिया ने सिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा मैं निजी कारणों से पार्टी से इस्तीफा दिया हूं । पार्टी ने इस्तीफा मंजूर नहीं किया है । कुछ लोग सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रम फैला रहे हैं कि रामानंद बेदिया अमुक पार्टी में शामिल हो रहे है । जो शत प्रतिशत गलत है मैं इसका खंडन करता हूं । बेदिया ने आगे कहा कि मैं ना ही विधानसभा चुनाव लडूंगा और ना ही किसी पार्टी में शामिल हूंगा, कुछ दलाल किस्म के लोग हैं जो राजनीतिक लाभ लेने के लिए इस तरह की भ्रम फैला कर लोगों को दिग्भ्रमित कर रहे हैं ।

दीपावली व छठ महापर्व को लेकर श्री महेश एकेडमी में चित्रांकन प्रतियोगिता

डोमचांचः आगामी दीपावली पर्व एवं छठ महापर्व के उपलक्ष्य में शनिवार को श्री महेश एकेडमी, डोमचांच के प्राथमिक कक्षाओं के दर्जनों छात्र- छात्राओं ने पोस्टर एवं चित्रांकन का प्रदर्शन किया गया। कक्षा- प्रथम के शाश्वत पांडेय, अनुराग कुमार पाण्डेय, प्राची प्रतिभा, सौम्या कुमारी; कक्षा- द्वितीय की राधिका कुमारी, आदित्य आनंद,आदित्य कुमार पांडेय, अंकित कुमार; कक्षा- तृतीय की आरूषी कुमारी, प्रगति सिन्हा, किशन कुमार; कक्षा- चतुर्थ की श्रद्धा कुमारी, रितु कुमारी, कृष कुमार, करीना कुमारी; कक्षा- पंचम के नीतीश कुमार, संस्कृति कुमारी और अविनाश कुमार पाण्डेय को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कारों के लिए चुना गया। अन्य सभी प्रतिभागियों को उनके बेहतर प्रदर्शन एवं मेहनत के लिए सराहा गया और उन्हें भी सांत्वना पुरस्कार देकर प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक सौरव कुमार और शिक्षिका निशा कुमारी ने प्राचार्या रीना दाराद के मार्गदर्शन में संपन्न किया।

शत प्रतिशत मतदान करे समस्त हिंदू समाजः राष्ट्र सेवा फाउंडेशन

रांचीः राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी श्री सीताराम शरण जी महाराज एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि 13 नवंबर एवं 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में समस्त हिंदू समाज शत-प्रतिशत मतदान करें। उन्होंने लोकतंत्र के महापर्व में समस्त हिंदू समाज को राष्ट्रहित, राज्यहित, व समाजहित में शत-प्रतिशत मतदान करने का आह्वान किया। इस महापर्व को सफल बनाने के लिए संगठन से जुड़े सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों को अपने आस पास के लोगों को मतदान करने हेतु जागरूक करने का आह्वान किया। कहा कि सनातनी हिंदू समाज की संस्कृति एवं परंपरा निरंतर निर्बाध रूप से भारतीय भू-धरा पर बनी रहे, इसके लिए राष्ट्रीय चिंतन करने वाले समूह को अपना मतदान करें। उन्होंने समस्त हिंदू समाज से आह्वान करते हुए कहा कि वे शपथ लें किझ मैं भविष्य में कभी भी ऐसे राजनैतिक /दल अथवा प्रत्याशी को अपना मत नहीं दूंगा जो हिंदू सनातन धर्म, हिंदू देवी देवताओं एवं धार्मिक परंपराओं व मान्यताओं का विरोधी रहा हो।

झारखंड विस चुनाव 2024

झामुमो ने जारी की पांचवीं सूची, भाजपा छोड़कर आयीं लुईस मरांडी को जामा से टिकट

मेट्रो रेज

रांचीः विधानसभा चुनाव को लेकर सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा ने पांचवीं सूची जारी कर दी है। झामुमो ने हाल ही में भाजपा छोड़कर आयीं नेता लुईस मरांडी को जामा सीट से टिकट दिया है। झारखंड की 81 विधानसभा सीटों के लिए दो चरण में 13 और 20 नवंबर को मतदान होगा। नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

हाल ही में भाजपा ने झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर प्रत्याशियों का एलान किया था। जिसके बाद से भाजपा में नेताओं और कार्यकर्ताओं का असंतोष भी दिखने लगा था। भाजपा की सूची को लेकर पार्टी नेताओं ने अपने समर्पित कार्यकताओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। वे यह भी कह रहे हैं कि पार्टी ने अन्य दलों से भाजपा में शामिल होने वालों पर भरोसा जताया। इस दौरान भाजपा की पूर्व विधायक लुईस मरांडी झामुमो में शामिल चल रही थीं।

भाजपा छोड़ने को लेकर लुईस मरांडी ने कहा था कि 24 साल तक भाजपा की सेवा करने के बाद उससे अलग होना दुखद है। भाजपा ने 2014 में दुमका में ऐतिहासिक जीत दर्ज की, जिसे झामुमो का गढ़ माना जाता था। अब भाजपा ने उस महिलाओं को सम्मान दिया जो बाहर से पार्टी में लाई गईं, न कि उन लोगों को जिन्होंने अपना पूरा जीवन उनके लिए समर्पित कर दिया। मरांडी ने कहा कि भाजपा चाहती थी कि मैं बरहेट से चुनाव लड़ूं, जो मेरे लिए एक नई सीट थी। मुझे मेरी सीट से वंचित कर दिया गया। अब झामुमो ने लुईस मरांडी को जामा सीट से टिकट दिया है।

वर्तमान में झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले महागठबंधन में 44 विधायकों का समर्थन है। इसमें झामुमो के 25 विधायक, कांग्रेस के 17, राजद और सीपीआई (एमएल) के एक-एक विधायक हैं। वहीं, दूसरी ओर राज्य की विपक्षी एनडीए के पास 30 विधायकों का समर्थन हासिल है। इसमें भाजपा के 25 विधायक, आजसू के तीन, एक निर्दलीय और एक जदयू के विधायक शामिल हैं। इसके अलावा सात विधानसभा सीटें खाली हैं।

जीएस पब्लिक स्कूल में मतदाता जागरूकता को लेकर प्रतियोगिताओं का आयोजन

- समाज के विकास के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करना बेहद जरूरी: नितेश सिंह
- आओ मिलकर अलख जगाएं शत प्रतिशत मतदान कराए: निदेशक नितेश कुमार सिंह
- वोट करेगा कोडरमा के तहत चलाया गया जागरूकता अभियान

मेट्रो रेज

डोमचांच : जीएस। पब्लिक स्कूल के बच्चों ने झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव के संबंध में क्विज प्रतियोगिता , स्पीच कंपटीशन तथा पेंटिंग कंपटीशन में भाग लिया साथ ही मतदाता जागरूकता अभियान के तहत समाज को अपने मत का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। बता दें की इस उपलक्ष्य पर विद्यालय प्रबंधन के द्वारा विभिन्न प्रकार से चुनाव संबंधित बच्चों से क्रिया कलाप करने का निर्णय लेकर समाज को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। निदेशक नितेश कुमार ने जानकरी साझा करते हुए कहा कि हर चुनाव का फैसला मतदान करने वाले लोगों द्वारा होता है, इस तरह के क्रिया कलाप से बच्चों में अलग उत्साह व जानकारी मिलती है जिससे कि वें अपने भविष्य में अपने मतों का प्रयोग सही से कर पाएं और लोगो को जागरूक करें। साथ ही उन्होंने बताया कि इस तरह के प्रतियोगिता से विधानसभा चुनाव सम्बंधित प्रश्न पूछें गए। इस कॉन्टेस्ट में बच्चों ने भाग लेकर अपने अंदाज में मतदाताओं को मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम मे उपनिदेशक नीरज कुमार सिंह , प्राचार्य प्रतिमा कुमारी, कोऑर्डिनेटर सोनी चंदन, सीसीए कोऑर्डिनेटर इलियास अंसारी तथा सभी शिक्षकों ने अपने आसपास के लोगों से वोट देने की अपील की एक-एक वोट अमूल्य है अपने वोट का सही इस्तेमाल करें। कार्यक्रम में सभी उपस्थित लोगों ने वोट देने तथा दिलाने की शपथ ग्रहण किया।

जूडो क्लस्टर चैंपियनशिप

ग्रिजली विद्यालय के छात्रों ने 13 पदक हासिल किया

कोडरमाः सीबीएसई द्वारा आयोजित जूडो क्लस्टर चैंपियनशिप वाराणसी के ज्ञानदीप इंगलिश स्कूल में खेला गया। जिसमे 42 विद्यालयों के लगभग 750 बच्चों नें भाग लिया। ग्रिजली विद्यालय के बच्चों नें हमेशा की भाती अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अलग- अलग श्रेणियों में कुल 13 पदक अर्जित किए। जहां, देवांशु कुमार के नें स्वर्ण पदक जीता, तो बंटी यादव, हर्षितराज नें रजत पदक में और कास्य पदक में सचिन यादव, रिशान्त यादव, सार्थक प्रकाश नें अपने- अपने नाम दर्ज करवाये। वही बालिकाओं की श्रेणी में अक्षीता यादव, संगमित्रा, अवनी सिन्हा, खुशी रंजन, नें रजत पदक जीता तो, कास्य पदक में कुमारी वैष्णवी, सुहाना राज, और सिन्दू कुमारी नें अपने- अपने नाम दर्ज कराये। सीबीएसई द्वारा आयोजित इस क्लस्टर जूडो चैंपियनशिप में स्वर्ण और रजत पदक जीत चुके विद्यालय के 07 बच्चों का चयन राष्ट्रीय स्तर के लिए हुया। इस शानदार उपलब्धि पर जूडो कोच तरन्नुम खान एवं सौरभ पाठक नें हर्ष व्यक्त किया और विश्वास दिलाया कि सफलता का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में छात्र- छत्राओ की इस सफलता पर निदेशक अविनाश सेठ, मनीस कपसीमे, सीइओ प्रकाश गुप्ता, सीओओ तनिष्क सेठ, प्राचार्या अंजना कुमारी, प्रशासक अशरफ खान, संयोजक विजय कुमार सिंह, जितेंद्र चौधरी, बीडी नस्कर, अनुराग कुमार सिंह, तुषार राय चौधरी, प्रीति जगनानी, स्टूडेंट सर्विस सेल के संयोजक सुधांशु कुमार, स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर अमित दास ने छात्र- छात्राओ एवं उनके कोच को उनके उपलब्धि के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री तक पहुंची कसमार पुलिस की शिथिलता

चार माह बाद भी नहीं सुलझा मिथिलेश हत्याकांड

न्याय की आस में बूढ़े पिता सहित सभी परिजनों की आंखे पथराईं, मदद की गुहार

राजेश्वर महतो

कसमारः बोकारो जिले की कसमार पुलिस इन दिनों सुर्खियों में है। एक एएसआई की ओर से कथित तौर पर खुद को थाना प्रभारी बताकर क्षेत्र के एक पत्रकार और उनके परिजनों के साथ बदसलूकी का मामला एक तरफ जहां सुलगा हुआ है, वहीं दूसरी ओर कसमार थाने की लापरवाही और शिथिलता मुख्यमंत्री तक पहुंच चुकी है। कसमार प्रखंड के मंजूरा ग्राम निवासी मिथिलेश कुमार महतो (23) की हत्या की गुत्थी घटना के चार महीने बाद भी नहीं सुलझ सकी है। मिथिलेश के बुजुर्ग पिता धीरेन्द्र नाथ महतो सहित अन्य सभी परिजनों की आंखें अब न्याय की आस में पथरा सी गई हैं। विगत 25 जून, 2024 को मिथिलेश महतो की हत्या का आरोप है। श्री महतो ने इस संबंध में दर्ज कसमार थाना कांड संख्या - 58/2024 में धीमी जांच प्रक्रिया एवं न्याय दिलाने को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुहार लगाई है। सीएम को दिए गए अपने पत्र में धीरेन्द्र का कहना है कि उनके बेटे की हत्या की गई और तमाम परिस्थितियां हत्या की मिली थीं। इसके बावजूद पुलिस अबतक कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही। नतीजतन, हत्या के आरोपी आज भी खुलेआम घूम रहे हैं और अप्रत्यक्ष रूप से परिजनों को भयभीत करने का प्रयास कर रहे हैं।

सड़क किनारे संदिग्धावस्था में मिला था शवः सीएम को दिए गए पत्र के अनुसार, विगत 25।06।2024 को धीरेन्द्र नाथ के घर के इकलौते पुत्र मिथिलेश का लहूलुहान शव पूर्णतया संदिग्ध परिस्थितियों में कसमार फार्मटांड़ के सामने रात को 12 बजे सड़क किनारे पड़ा मिला था। वहीं, कुछ दूरी पर उसकी मोटरसाइकिल (जेएच 09ई 6261) भी गिरी पड़ी थी। उसके चेहरे पर किसी सख्त और भोथड़ वस्तु से वार किए जाने और गहरे चोट के साथ-साथ गला दबाए जाने का निशान भी मिला था। मृतक के पिता का दावा है कि उनके बेटे की

किसी ने साजिशन हत्या कर दी। गला दबाकर, चाकू या अन्य वस्तु से हमला कर उसकी नृशंस हत्या की गई। मिथिलेश घटना के दिन सुबह 8।00 बजे सइयाडीह जाने की बात कहकर घर से निकला था। जब वह देर रात तक घर नहीं लौटा तो काफी खोजबीन करने पर कसमार फार्मटांड़ के सामने मृत अवस्था में मिला। खोजबीन के दौरान ही पता चला कि उस दिन मिथिलेश को गर्री ग्राम निवासी सीताराम प्रजापति के पुत्र सुमित कुमार प्रजापति के साथ देखा गया था। उन्हें पूरी आशंका है कि उनके बेटे मिथिलेश की हत्या सुमित कुमार प्रजापति ने ही अपने सहयोगियों के साथ मिलकर कर दी। कुछ लोगों से उन्हें यह भी पता चला कि सुमित ने प्रेम-प्रसंग में एक लड़की के कारण उनके बेटे को मार डाला।

सड़क हादसे का रूप देने पर आमादा है पुलिसः मुख्यमंत्री को प्रेषित पत्र के अनुसार, इस संबंध में उनके द्वारा हत्या का मुकदमा दर्ज कराए जाने के बाद भी स्थानीय थाने से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पा रहा है। उन्हें आशंका है कि संदिग्ध हत्यारों के प्रभाव में आकर जैसे-तैसे इस घटना को सड़क दुर्घटना दिखाने का प्रयास किया जा रहा है। थाने के सक्षम पदाधिकारी से उनलोगों ने इस संबंध में कई बार मदद की गुहार लगाई, परंतु जांच में अनावश्यक रूप से विलंब किया जा रहा है। साथ ही, आरोपी को अबतक पुलिस कस्टडी में लेकर पूछताछ करने की भी जरूरत नहीं समझी गई।

गाड़ी की डिक्की से गायब मिले थे औजारः पत्र के अनुसार, घटनास्थल पर मिथिलेश के शव के साथ और आसपास जो परिस्थितियां पाई गईं, उनसे स्पष्ट प्रतीत हो रहा है कि मामला कहीं से भी सड़क दुर्घटना का नहीं है। जैसे- शव से एक किलोमीटर की दूरी में श्मशान घाट के समीप उसका अंतिम लोकेशन मिला था और मोबाइल का कोई अतापता नहीं चला। मिथिलेश एक मिस्त्री था। गाड़ी की डिक्की में हमेशा पलास, हथौड़ी, छेनी आदि औजार रखता था, लेकिन घटनास्थल पर बाइक की डिक्की में वे सामान नहीं मिले। उसकी एक सैंडिल शव से 20 फीट और दूसरी 25 फीट दूर मिली। कथित सड़क हादसे में जिस पोल से टकराकर गिरने का दावा किया जा रहा है, उसका शव वहां न होकर उससे 4 फीट दूर और बाईं की बजाय दाहिनी ओर मिला था। उस पोल और शव के बीच कहीं भी खून का एक बूंद नहीं देखा गया। सिर, गला और चेहरे के अलावा पूरे शरीर में कहीं भी चोट के निशान नहीं मिले। गर्दन पर काला निशान मिला। इतना ही नहीं, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी चेहरे पर सख्त और भोथड़ वस्तु से चोट लगने के कारण कई फ्रैक्चर होने की बात लिखी है। आवेदक का दावा है कि ऐसे कई अहम बिन्दु, जो पूरी तरह उनके बेटे की हत्या की ओर इंगित करते हैं। लेकिन, स्थानीय थाना द्वारा अपेक्षित सहयोग नहीं करने के कारण वे न्याय से वंचित हैं और आरोपी खुलेआम तरह-तरह की बातें कहते हुए घूम रहा है।

निष्पक्ष जांच और न्याय की मांगः मृतक के पिता धीरेन्द्र नाथ महतो ने सीएम को दिए गए अपने पत्र में कहा है कि आरोपी ने उनके घर का इकलौता चिराग बुझा दिया। उनके पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने सीएम से कसमार थाने में इस बावत दर्ज कांड के त्वरित और निष्पक्ष जांच कराते हुए न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

न्यूज ब्रीफ

कल्याण निधि की योजनाओं से जुड़ें अधिवक्ता: राजीव रंजन

रांची/लातेहार : झारखंड के महाधिवक्ता सह अधिवक्ता कल्याण निधि ट्रस्टी कमेटी के पदेन अध्यक्ष राजीव रंजन शुक्रवार को लातेहार पहुंचे। वहां उन्होंने जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, सचिव व कार्यकारिणी समिति के सदस्यों से मुलाकात की अधिवक्ताओं के कल्याण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि ये योजनाएं आपकी और आपके परिवार की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने अधिवक्ताओं से इन योजनाओं से जुड़कर लाभ लेने की अपील की। इसके लिए झारखंड अधिवक्ता कल्याण निधि ट्रस्टी समिति का सदस्य बनने को कहा। ज्ञात हो कि इस योजना के तहत सरकार 5 लाख रुपए स्वास्थ्य बीमा के साथ ही 14 हजार रुपए पेंशन की सुविधा दे रही है। इसमें नये अधिवक्ताओं को स्टाइपेंड के रूप में पहले तीन साल तक प्रतिमाह 5 हजार रुपए देने का प्रावधान है। इससे पूर्व बार एसोसियेशन के सदस्यों ने महाधिवक्ता का गर्मजोशी से स्वागत किया। बैठक के दौरान उन्होंने ट्रस्टी कमेटी की योजनाओं से जुड़ने की इच्छा भी जताई और दूसरे अधिवक्ताओं को भी योजना से जोड़ने के लिए प्रेरित करने की बात कही।

कोकर में अयोध्या के राम मंदिर की तर्ज पर बनेगा पंडाल

रांची: कोकर स्थित बजरंग क्लब द्वारा आयोजित श्री श्री काली पूजा समिति का 12वां वर्षगांठ समारोह धूमधाम से मनाया जाएग। इस बार के पंडाल की थीम अयोध्या के राम मंदिर की लघु प्रतिकृति पर आधारित होगी, जो विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। यह आयोजन 31 अक्टूबर से शुरू होगा। विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ संपन्न होगा।

ये होगा कार्यक्रम

- **31 अक्टूबर 2024**: मध्य रात्रि में पूजा
- **1 नवंबर 2024:** प्रसाद वितरण, समय 4 बजे
- **2 नवंबर 2024:** महाआरती, समयः 6 बजे
- **3 नवंबर 2024:** विशाल शोभायात्रा, समयः 6 बजे

बीजेपी की बैठक में उपस्थित रहे दिग्गज

रांची: बीजेपी प्रदेश कार्यालय में आयोजित जिला अध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी एवं सह प्रभारी की बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी। इस बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री सह विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान जी, भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री रोहित चहल, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह जी, राज्य सभा सांसद दीपक प्रकाश , प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा शशांक राज सहित कई पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

पीएफ में कर्मियों को मिलेगा 7.1 फीसदी ब्याज

रांची: सामान्य भविष्य निधि (पीएफ) के अभिदाताओं को अब 7.1 फीसदी ब्याज मिलेगा. यह ब्याज 31 अक्तूबर से एक दिसंबर 2024 के लिए के लिए मिलेगा. वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग (बजट प्रभाग) के द्वारा सामान्य भविष्य निधि के अभिदाताओं की कुल जमा राशि पर वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लिए एक अक्टूबर 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक 7.1% व्याज दर की स्वीकृति दी गयी है. यह दर 01 अक्टूबर 2024 लागू किया गया है. इसके आलाक में झारखंड सरकार के वित्त विभाग द्वारा राज्य के सामान्य भविष्य निधि अभिदाताओं की कुल राशि पर दिये जाने वाली ब्याज की दर केंद्र सरकार के अनुरूप वितीय वर्ष 2024-25 के तहत एक अक्तूबर से 31 दिसंबर 2024 तक 7.1% फीसदी ब्याज दर देने की स्वीकृति दी है. वित्त विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया है।

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024

बीजेपी ने जारी की स्टार प्रचारकों की लिस्ट, पीएम मोदी सहित कई दिग्गजों के नाम शामिल

मेट्रो रेज

रांची: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आज आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों की घोषणा की। 40 सदस्यीय सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, अमित शाह और नितिन गडकरी के नाम शामिल हैं। सूची में चंपई सोरेन, सीता सोरेन, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, शिवराज सिंह चौहान, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और हिमंत बिस्वा सरमा के नाम शामिल हैं।

सूत्रों ने बताया कि पार्टी ने पड़ोसी राज्य में चुनाव प्रचार के लिए माझी को शामिल किया है, ताकि मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित किया जा सके, खास तौर पर उड़िया भाषी लोगों की एक बड़ी आबादी को। इसके अलावा, माझी एक आदिवासी समुदाय से हैं और भाजपा आदिवासी मतदाताओं को लुभाना चाहती है, जिनकी राज्य में अच्छी खासी मौजूदगी है। पिछले महीने माझी ने झारखंड का दौरा भी किया था और अलग-अलग जनसभाएं की थीं। झारखंड में 13 और 20 नवंबर को दो चरणों में चुनाव होने हैं।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को झारखंड में झामुमो नीत गठबंधन सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि यह भीषण चक्रवाती तूफान दाना से भी ज्यादा घातक है। उन्होंने आगाह किया कि अगर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार फिर से सत्ता में आई तो यह राज्य में तबाही मचा देगी। राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधानसभा चुनाव प्रभारी ने झामुमो सरकार के पांच साल के शासन के दौरान भ्रष्टाचार, विनाश और लूट के लिए गठबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने पहले ही झारखंड को काफी नुकसान पहुंचाया है।

लोकतंत्र के पर्व को कमजोर करने की हो रही कोशिशः सुप्रियो भट्टाचार्य

मेट्रो रेज

रांची : झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा है कि केंद्र सरकार के इशारे पर चुनाव के समय झारखंड में जांच एजेंसियां सक्रिय हो गयी हैं। राज्य में यह खेल लंबे समय से चल रहा है। इसी साजिश के तहत राज्य के सबसे लोकप्रिय सीएम को जेल में डाला गया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के पर्व को कमजोर करने की कोशिश हो रही है। सुप्रियो भट्टाचार्य झामुमो कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि साहिबगंज में एक तरफ नामांकन हो रहा है, वही दूसरी तरफ बिना तथ्य और सबूत के एक जांच एजेंसी की ओर से कारवाई की गयी।

चुनाव को प्रभावित करना बीजेपी का मकसदः सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि लोकतंत्र का त्योहार चल रहा है और दूसरी तरफ उसे कमजोर करने का काम भाजपा द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सच पूछा जाये, तो भाजपा चुनाव हार चुकी है। उनका बस एक ही मकसद रह गया है कि चुनाव को कैसे प्रभावित किया जाये। चुनाव के समय जानबूझ कर जांच एजेंसियों की कारवाई हो रही है। यह कार्रवाई करके परसेप्शन बनाया जा रहा है। अपने हथियार के रूप में इडी का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने चुनाव आयोग से इसे संज्ञान में लेने की अपील की है।

ईडी के पास तथ्य और सबूत नहींः उन्होंने कहा कि इडी के पास न तथ्य है और न कोई सबूत। इसकी कार्रवाई को तो हाइकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ने नकारा है। उन्होंने कहा कि हमारे एक प्रत्याशी, जो मंत्री रहे, ने सबसे ज्यादा काम किया। उनके परिवार को परेशान किया जा रहा है। ढाई साल में उन्होंने कौन सी जांच कर ली और क्या मिला है, यह बतायें।

महापर्व को कमजोर किया जा रहाः सुप्रियो ने आगे कहा कि लोकतंत्र के महापर्व को कमजोर करने का काम भाजपा द्वारा किया जा रहा है। भाजपा द्वारा राजनीतिक घुसपैठ करायी जा रही है। इस काम के लिए कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय नेताओं को राज्य में लाया गया है। हिमंता के बयान पर उन्होंने कहा कि भाषा की मयार्दा भी तोड़ी जा रही है। समाज में जहर घोला रहा है और हिंसा की बात बोली जा रही है। फिर भी चुनाव आयोग मौन है। उन्होंने दावा कि हम लोग न सिर्फ चुनाव जीतेंगे, बल्कि समृद्ध और संपन्न झारखंड बनायेंगे।

चक्रवात 'डाना' का झारखंड पर असर, बढ़ी ठंड

रांची: चक्रवाती डाना तूफान का असर राज्य में राजनीतिक गतिविधियों पर पड़ा। शुक्रवार को नेताओं की रफ्तार इस वजह से थोड़ी धीमी हुई। राजनीतिक दलों के उपयोग में आने वाले विमान व हेलिकाप्टर खराब मौसम व कम दृश्यता के कारण उड़ान नहीं भर सके। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी के राजनीतिक कार्यक्रम भी इस वजह से टाल दिए गए। हेमंत सोरेन ने इस दौरान अधिकारियों से चक्रवात के प्रभाव का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि वे स्वयं पिछले 24 घंटे से दाना चक्रवात की मानिटरिंग कर रहे हैं। हर घंटे अधिकारियों से जानकारी ले रहे हैं। जानकारी मिली है कि बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवात धीमा पड़ गया है। इसके कारण पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में एहतियात के तौर पर कुछ कदम उठाए गए हैं। उन्होंने लोगों से दिशा-निर्देश का पालन करने का आग्रह किया।

कोडरमा में कितना रहा चक्रवात डाना का असरः पश्चिम बंगाल व उड़ीसा क्षेत्र में आए दाना चक्रवाती तूफान का प्रभाव कोडरमा जिले में भी देखने को मिल रहा है। दाना चक्रवाती तूफान के प्रभाव से मौसम में काफी बदलाव आया है और गुरुवार को अचानक बारिश होने लगी। शुक्रवार को भी दिनभर बादल छाए रहे व बारिश की जगह फुहारें गिरीं। इससे तापमान में भी काफी गिरावट दर्ज हुई। बंगाल की खाड़ी के ऊपर गंभीर चक्रवाती तूफान डाना का अत्यधिक प्रभाव उड़ीसा व पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में रहा। आने वाले तूफान को देखते हुए राज्य सरकार ने कई जिलों में स्कूलों में शुक्रवार को अवकाश घोषित कर दिया था। सुबह में स्कूल जाने वाले बच्चों को ठंड का सामना करना पड़ा। सुबह में गुलाबी ठंड पड़ने लगी है और बुजुर्ग लोग मार्निंग वाक करते समय चादर लेकर निकलने लगे हैं। अक्टूबर बीतने के साथ ही आने वाले दिनों में तापमान में अधिक गिरावट होने की संभावना है।

सरायकेला में दिखा चक्रवात दाना का असरः चक्रवाती तूफान दाना का प्रभाव सरायकेला-खरसावां जिले में गुरुवार से ही देखने को मिल रहा है। तेज हवा के साथ बारिश होने के कारण जनजीवन पूरी तरह से अस्तव्यस्त हो गई है। गुरुवार को दिन भर तेज हवा व वर्षा होती रही और शुक्रवार को भी यही हाल रहा। तेज हवा के कारण कई स्थानों पर पेड़ उखड़ गए तो कई स्थानों पर घर के छत पर लगे टीन उखड़कर दूर जा गिरे। इतना ही नहीं तेज हवा के कारण रास्ते पर चलना मुश्किल हो रहा था।

झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 804 नामांकन, 28 अक्टूबर को स्क्रूटनी

रांची : झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण के नॉमिनेशन की प्रक्रिया संपन्न हो गयी है। 43 विधानसभा सीटों पर 804 प्रत्याशियों ने नॉमिनेशन किया है। सबसे अधिक जमशेदपुर पूर्वी से 32, जमशेदपुर पश्चिमी से 31 और हटिया विधानसभा क्षेत्र से 30 प्रत्याशियों ने नॉमिनेशन किया है। बता दें 18 अक्टूबर को पहले चरण के चुनाव की अधिसूचना जारी हुई थी। 25 अक्टूबर पहले चरण के नॉमिनेशन करने की अंतिम तारीख थी। 28 अक्टूबर को नॉमिनेशन की स्क्रूटनी की जायेगी। वहीं 30 अक्टूबर प्रत्याशियों के नॉमिनेशन वापस लेने का अंतिम दिन होगा।

सिंह मोड में बंदरो के आंतक से लोग परेशान

रांची: राजधानी रांची के सिंह मोड के लटमा रोड में बदंर के अतंक से लोग परेशान है। बंदर लोगों के घरों में घुस कर समानों को तोड़फोड़ कर रहा है। इतना ही नहीं घर में लगे दरवाजे और खिड़कियों को भी तोड़ दे रहा है। वहीं मोहल्ले के कई लोगों को बंदर ने अपना निशाना भी बनाया। लटमा रोड नंबर 9 स्थित अजय कुमार वर्मा के घर में बंदर घुस गया और सदस्य को दौड़ने लगा, किसी तरह लोगों ने भाग कर अपनी जान बचायी। इस दरवाजे और खिड़कियो को बंद कर लिया है। शुक्रवार को मोहल्ले में दो-तीन आदमी को काट भी लिया है, वहीं शनिवार को भी कई लोगों को अपना निशाना बनाया, जिससे मोहल्ले के लोग परेशान है। बता दें बंदर के काटने से रेबीज नाम की बीमारी होने का खतरा रहता है। इसलिए बंदर शरीर के जिस जगह पर काटता है उस जगह को धोकर तुरंत डॉक्टर संपर्क करें। वहीं चौबीस घंटे के अंदर रेबीज का इंजेक्शन लगावाना जरुरी है।

घटना के बाद आस पास के लोग डर के साये में जीने को मजबूर हो गये हैं। लोग अपने घर के

सामहरणालय सिमडेगा
विधान सभा (आम) निर्वाचन 2024
(प्रेक्षक कोषांग)

झारखण्ड विधान सभा आम चुनाव 2024 के अन्तर्गत व्यय प्रेक्षक (Expenditure Observer) **KANNAN NARAYANAN (IRS)** को निर्वाचन कार्य की समीक्षा हेतु भारत निर्वाचन आयोग की ओर से 70–सिमडेगा(ST) एवं 71–कोलेबिरा(ST) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए नियुक्त किया गया है, जिनका दिनांक 24.10.2024 को सिमडेगा जिला में आगमन हुआ है। व्यय प्रेक्षक परिसदन भवन सिमडेगा में आवासित है।

निर्वाचन से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना व्यय प्रेक्षक (70–सिमडेगा एवं 71–कोलेबिरा) को देने के लिए उनके कार्यालय के लैंडलाईन नं0 06525–296031 / 296229 पर संपर्क किया जा सकता है।

विश्वासभाजन
नोडल पदाधिकारी,सिमडेगा

PR 339540 Simdega(24-25).D

रांची चुनाव को लेकर डीजीपी ने पांच राज्यों के पुलिस अधिकारियों के साथ की बैठक

खुफिया जानकारी सही समय पर साझा करने पर बनी सहमति

मेट्रो रेज

रांची: विधानसभा चुनाव को लेकर डीजीपी अजय कुमार सिंह ने पांच राज्यों के पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में बिहार, पश्चिम बंगाल,छत्तीसगढ़, ओडिशा और उत्तर प्रदेश के पुलिस अधिकारी शामिल हुए। यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई थी। इस बैठक में मुख्य रूप से खुफिया जानकारी को सही समय पर साझा करने की सहमति बनी। वामपंथी उग्रवाद को लेकर की जा रही कार्रवाई, सीमावर्ती क्षेत्रों में उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर आपसी सहयोग, अवैध शराब, नशीले पदार्थ की तस्करी एवं नकदी की अवैध आवाजाही पर प्रभावी रोकथाम, सीमावर्ती क्षेत्रों में नक्सलियों और अपराधी तत्वों की गतिविधियों पर नकेल कसने

और सभी स्तरों पर अंतर्राज्यीय समन्वय बैठकों के लिए तंत्र की कार्य योजना पर चर्चा की गई।

संयुक्त अभियान चलाने संबंधी जानकारी दी गईः डीजीपी अजय कुमार ने ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार, पश्चिम बंगाल एवं उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए सीमा क्षेत्रों पर उग्रवादियों के भ्रमण और अन्य संदिग्ध गतिविधियों को अपने आसपास के थाना क्षेत्रों से साझा करने एवं सूचना-तंत्र को और मजबूत करने के लिए सुझाव दिए। वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए राज्य की सीमावर्ती क्षेत्रों पर संयुक्त रूप से चेकिंग अभियान और सर्च ऑपरेशन चलाने, सीमावर्ती नक्सल क्षेत्रों में चरण-बद्ध तरीके से नक्सलियों के खात्मे की सूची उपलब्ध कराते हुए संयुक्त अभियान चलाने संबंधी जानकारी दी गई।

विशेष तौर पर छत्तीसगढ़ के सीमा क्षेत्र पर अवस्थित पिछले तीन दशकों से हिंसक नक्सली वारदातों को अंजाम देने वाले एवं शीर्ष माओवादी नेताओं की शरण स्थली रहे बूढ़ा पहाड़ पर, ओडिशा सीमा पर सारंडा वन क्षेत्र में नक्सलियों पर शिकंजा कसने के लिए संयुक्त अभियान चलाने की बात की गई।

हथियार, विस्फोटक और धन के अवैध आवाजाही पर रोकथामः आईजी अभियान एवी होमकर विशेष रूप से सभी एसपी को अपनी सूचना तंत्र को मजबूत करते हुए ज्यादा से ज्यादा मात्रा में अवैध कैश,मादक पदार्थों, हथियार,शराब को जब्त करने और अंतरराज्यीय परिवहन से समन्वय स्थापित करने का अनुरोध किया। नकली नोट, हथियार, विस्फोटक और धन पर रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाए जाने पर बल दिया गया।

चुनाव का पर्व DESH KA GARV
चुनाव का पर्व DESH KA GARV

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त गुमला का कार्यालय
e-mail→observercellg@gmail.com

आम सूचना

झारखण्ड विधनसभा आम चुनाव 2024 के निमित्त भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा 69–अ0ज0जा0) बिशुनपुर विधानसभा आम चुनाव 2024 क्षेत्र के लिए सामान्य प्रेक्षक के रूप में Mr. Dibya Prakash Giri, IAS, General Observer, G-22188 69-(ST) Bishunpur की नियुक्ति की गई है ।

Mr. Dibya Prakash Giri, IAS, G-22188, General Observer, 69-(ST) Bishunpur का दिनांक–24-10.2024 को गुमला आगमन हो चुका है। सामान्य प्रेक्षक नया परिसदन, गुमला के 'नवलखा' कमरा में आवासित हैं।

आम नागरिक चुनाव संबंधी शिकायतों के लिए सामान्य प्रेक्षक से प्रत्येक दिन कार्य दिवस में पूर्वाह्न 9.30 बजे से पूर्वाह्न 10-30 बजे तक मिलकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

सामान्य प्रेक्षक, 69-(ST) Bishunpur का सम्पर्क संख्या **9430703730** है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी,
–सह–उपायुक्त, गुमला

PR 339509 Election(24-25).D

सुविचार

दिल के सच्चे लोग भले ही जीवन में अकेले रह जाते हैं लेकिन ऐसे लोगों का साथ भगवान जरूर देता है।

कांग्रेस बचा रही अपनी लाज

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस अपने साथी दलों के सामने नरम पड़ गयी है। इसे समझने के लिए महाराष्ट्र के आने वाले विधानसभा चुनाव और उत्तर प्रदेश के उपचुनाव काफी हैं। महाराष्ट्र में जिस दिन महाविकास अघाड़ी के दलों में अंतिम रूप से सीटों का बंटवारा हुआ, उसके दो दिन पहले तक अलग तरह की खबरें आ रही थीं। कहा गया कि कांग्रेस राज्य में बड़ा भाई का दर्जा बरकरार रखेगी। सीट शेयरिंग का यह फामूर्ला आ रहा था कि कांग्रेस 105 से 110 क्षेत्रों में चुनाव लड़ सकती है। दूसरी ओर शिवसेना (यूबीटी) को 90 से 95 और शरद पवार वाली एनसीपी को 75 से 80 सीटें मिलने की संभावना जतायी गयी। यह उम्मीद लंबे समय तक बरकरार नहीं रही। जब समझौता हुआ तो तय हो गया कि तीनों में से कोई बड़ा-छोटा नहीं है। कांग्रेस भी अपने साथी दलों के बराबर ही है। प्रत्येक दल को 85 सीटें मिलीं और शेष सीटों पर ये पार्टियां मित्रवत अपने प्रत्याशी उतार सकती हैं। यानी बाकी सीटों पर ये आमने-सामने हो सकती हैं। जो भी हो, कांग्रेस पर दबाव साफ दिख रहा है और वह राज्य में उद्धव ठाकरे और शरद पवार की पार्टियों के बराबर आ गयी है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के लिए छोटे-बड़े की बात तो लंबे समय से पृष्ठभूमि में जा चुकी है। वहां किसी तरह से अस्तित्व बचाए रखने का लक्ष्य है। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा के साथ देशभर में उपचुनाव भी हो रहे हैं। इनमें उत्तर प्रदेश की 10 सीटों पर मतदान कराया जाना था। कानूनी अड़चनों के चलते एक क्षेत्र मिल्कीपुर में उपचुनाव नहीं हो रहा है। बाकी बची 09 सीटों में से कांग्रेस ने पहले 05 सीटों की मांग रखी थी। यह कुल 10 में आधा-आधा का फामूर्ला था। लोकसभा चुनाव में सपा के साथ समझौते में मिली 17 में से कांग्रेस 06 पर जीत कर उत्साह में थी। यह अति उत्साह में बदलता तब दिखा, जब हरियाणा में उसने सपा के साथ समझौता नहीं किया। अब सपा को मौका मिला उत्तर प्रदेश उपचुनाव में। उसने कांग्रेस को गाजियाबाद और खैर सीट देने का प्रस्ताव रखा। कांग्रेस को यह दोनों सीटें हार वाली लग रही थीं। उसने प्रयागराज की फूलपुर पर भी अपनी दावेदारी की किंतु सपा टस से मस नहीं हुई। अंततः कांग्रेस ने अपनी प्रतिष्ठा बचाते हुए 'भाजपा को हराने के लिए गठबंधन को महत्व' के नाम पर उत्तर प्रदेश में उपचुनावों से अलग रहने का फैसला कर लिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, राज्य प्रभारी अविनाथ पाण्डेय और विधायक दल नेता अराधना मिश्रा ने इस निर्णय को संविधान बचाने के लिए भाजपा के खिलाफ मोर्चा के हक में किया फैसला कहा है। इसके विपरीत स्पष्ट है कि हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में उम्मीद से कम रह गयी कांग्रेस, उत्तर प्रदेश में कोई खतरा मोल लेना नहीं चाहती। उसे उप चुनाव से अधिक 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की चिंता है। उपचुनाव से अलग रहने के फैसले को अब वह सपा से दोस्ती और अपने संविधान बचाओ मुहिम के लिए त्याग बता रही है। झारखंड में तो वह हेमंत सोरेन सरकार का अंग ही है। वहां उसका दूसरे नंबर पर रहना तय था। तेजस्वी यादव ने भी अंततः मुख्यमंत्री सोरेन से बात कर मोर्चे में अपनी जगह पक्की कर ली। इस तरह झारखंड में भी कांग्रेस ने मोर्चे में बने रहने के लिए नरम रुख ही अपनाया है। कुल मिलाकर उसे यह बात समझ में आ गयी है कि विपरीत स्थितियों में विनम्रता ही सहायक होती है।

एलएसी पर बनी सहमति

भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (छअउ) पर चले आ रहे गतिरोध का टूटना न केवल द्विपक्षीय रिश्तों के लिहाज से बड़ी खबर है बल्कि अंतरराष्ट्रीय रिश्तों के मौजूदा समीकरणों के मद्देनजर भी एक गंभीर घटना है। यह बताती है कि सही नजरिये के साथ और समुचित ढंग से कोशिश की जाए तो बड़े से बड़ा विवाद भी बातचीत से सुलझाया जा सकता है। इस समझौते में भारत के लिए संतोष की बात यह है कि छअउ पर फिर से 2020 के पहले जैसी स्थिति बन गई। यही वह सबसे बड़ा मुद्दा था, जहां बातचीत अटक जाती थी। विवाद से जुड़े कई बिंदुओं पर सहमति बन चुकी थी। बाकी मसलों पर भी बातचीत चल रही थी। चीन का कहना था कि पूर्ण सहमति आगे-पीछे बनती रहेगी, तब तक हमें द्विपक्षीय रिश्तों को सामान्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। लेकिन भारत का स्पष्ट रुख था कि जब तक छअउ पर 2020 से पहले जैसी स्थिति नहीं बनती, तब तक दोनों देशों के रिश्ते सामान्य हो ही नहीं सकते। साफ है कि इस सहमति ने रिश्तों को सामान्य बनाने वाले प्रयासों के लिए जमीन तैयार कर दी है। हालांकि अभी इस सहमति को जमीन पर लागू करने का काम बाकी है और उसके बाद भी रिश्तों में विश्वास बहाल करने के प्रयासों पर ध्यान देना होगा। जिस तरह के हालात में गलवान घाटी में दोनों पक्षों में हिंसक झड़प हुई, वैसी स्थिति फिर न बने इसके लिए दोनों तरफ से कई स्तरों पर कदम उठाने होंगे। यह सहमति ऐसे समय बनी, जब रूस में ब्रिक्स देशों की शिखर बैठक हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैठक के सिलसिले में रूस में हैं। वहां चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की राह में जो सबसे बड़ा रोड़ा था, वह दूर हो चुका है। देखना होगा कि दोनों नेताओं के बीच यह बैठक होती है तो उसमें किस तरह की सहमति बनती है। भारत और चीन के बीच इस नई बनी सहमति का ब्रिक्स शिखर बैठक के माहौल और उसके अजेंडे पर किस तरह का पॉजिटिव प्रभाव पड़ता है, इस पर भी प्रेक्षकों की नजरें लगी हैं। जैसा कि खुद प्रधानमंत्री मोदी ने दो दिन पहले स्पष्ट किया कि ब्रिक्स गैर-पश्चिमी देशों का मंच भले हो, यह पश्चिम विरोधी मंच नहीं है। यह किसी के खिलाफ नहीं है। वैसे भी भारत पहले से ही राष्ट्रीय हितों पर आधारित स्वतंत्र और संतुलित नीति का अनुसरण करता रहा है। ऐसे में अगर चीन और भारत के द्विपक्षीय रिश्तों में कड़वाहट कम होती है तो यह किसी भी अन्य देश की चिंता का कारण नहीं होना चाहिए।

सारे विश्व ने भारत से सीखा परोपकार

> भंडारे के प्रसाद की बात ही अलग होती है। इसका स्वाद अतुलनीय होता है। ये भंडारे की महिमा ही मानी जाएगी। भंडारा अपने आप में जात-पात और वर्ग की दीवारों को तोड़ता है। इसमें सब प्रेम से प्रसाद लेते हैं। भंडारे का प्रसाद पूरे अनुशासन से लिया जाता है। कनॉट प्लेस में रोज हजारों लोग नवरात्रों के दौरान भंडारे का प्रसाद खाते हैं। जो भंडारा आयोजित करते हैं, वे या तो हनुमान मंदिर के आगे से प्रसाद खरीद कर बांट देते हैं या फिर खुद ही कहीं से बनवा कर लाते हैं। भंडारों की एक खास बात ये भी है कि इनसें प्रसाद हिन्दू, मुसलमान,सिख, ईसाई सब ग्रहण करते हैं।

आर.के. सिन्हा

रतन टाटा के निधन के पश्चात उनके परोपकारी कामों की विस्तार से चर्चा हो रही है। वैसे, जरा गौर करें तो न केवल टाटा समूह बल्कि भारत के हरेक छोटे-बड़े लाखों कारोबारी या उद्योगपति अपने स्तर पर कुछ न कुछ परोपकार से जुड़े कामों में लगे मिल जायेंगे। यह कहना सरासर गलत होगा कि परोपकार की भावना हमने यूरोप से सीखी है। यह कुछ नासमझ अज्ञानियों का प्रचार भर है। भारत में परोपकार की परंपरा प्राचीनकाल से ही गहरी जड़ें जमाए हुए है। हम 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया' में विश्वास करने वाले हैं। अभी भी आपको 'पहली रोटी गौ माता को' में विश्वास करने वाले लाखों लोग मिल जायेंगे। धर्म, संस्कृति और समाज के हरेक पहलू में दान, सेवा और परोपकार का महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है।

वेद और उपनिषद् जैसे ग्रंथों में परोपकार को 'दान' और 'सेवा' के रूप में वर्णित किया गया है। हिन्दू धर्म में दान और सेवा का बहुत महत्व है। ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यासः इन चार आश्रमों में से वानप्रस्थ और संन्यास आश्रमों में परोपकार को ही जीवन का मुख्य लक्ष्य माना गया है। जैन धर्म में 'दान' को 'अहिंसा' के सिद्धांत के साथ जोड़ा गया है।

भारत भूमि की देन बौद्ध धर्म में भी 'दान' का खासा महत्व है जो सभी प्राणियों के कल्याण के लिए होता है। भगवान बुद्ध ने अपने जीवनकाल में दान, सेवा और अहिंसा का मार्ग दिखाया। गांधीजी ने 'सर्वोदय' के सिद्धांत पर बल दिया और ग्रामीणों की सेवा और विकास के लिए जीवनभर काम किया। मदर टेरेसा ने भी गरीबों, बीमारों और जरूरतमंदों की सेवा करके मानवता की सेवा की।

रतन टाटा की तरह बिड़ला समूह, अजीम प्रेमजी, नंदन नीलकेणी, शिव नाडार जैसे सैकड़ों उद्योगपति परोपकार से जुड़े कार्यों के लिए हर साल हजारों करोड़ रुपया दान देते हैं। भारत के कारोबारियों के डीएनए में 'समाज सेवा' है। टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा की दूरदृष्टि से स्थापित इस समूह ने शुरू से ही समाज सेवा को अपने कार्यों का अभिन्न अंग बनाया। जमशेद जी के परोपकार के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद थे, जिसे अब उनकी तीसरी पीढ़ी भी निभा रही है। इसी तरह जिस फक्कड़ संन्यासी के आशीर्वाद से घनश्याम दास बिड़ला ने अपना उद्योग जमाया, उस संन्यासी के आशीर्वाद से 'करनी और बरनी' का काम आज भी बिड़ला समूह अपना रहा है। यह अपने धर्मार्थ कार्यों के माध्यम से भारत में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डालता है, जो देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

जमशेदजी टाटा को यह प्रेरणा स्वामी विवेकानंद जी से प्राप्त हुई थी। शिकागो के सर्वधर्म सम्मेलन में जाने के पूर्व जब वे दक्षिण भारत का भ्रमण कर रहे थे तो उन्हें यह बात खली कि दक्षिण भारत में विज्ञान की उच्चतर शिक्षा प्रदान करने वाला कोई संस्थान नहीं है। तब उन्होंने विचार किया कि इस काम में टाटा स्टील के संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा उपयुक्त व्यक्ति होंगे और उन्होंने शिकागो जाने के पूर्व उन्हें एक पत्र लिखा। स्वामीजी ने टाटा को लिखा कि 'आप बिहार के जमशेदपुर से अच्छा पैसा कमा रहे हो। मेरी शुभकामना है कि और ज्यादा धन अर्जित करो और ज्यादा लोगों को रोजगार दो। लेकिन, विज्ञान की उच्चतर शिक्षा से वंचित दक्षिण भारत की भी थोड़ी चिंता करो और दक्षिण भारत में कहीं भी विज्ञान की ऊँची पढ़ाई और रिसर्च का कोई बढ़िया संस्थान स्थापित करो। मैं जानता हूँ कि तुम यह कर सकते हो और विश्वास है कि तुम ऐसा ही करोगे।'

स्वामी विवेकानंद जी की इस प्रेरक चिट्ठी पढ़ने के बाद जमशेदजी इतने प्रेरित हुए कि उन्होंने बैंगलुरु में तत्काल विज्ञान का एक बढ़िया संस्थान शुरू कर दिया जो आज 'इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस' के नाम से विश्वविख्यात है और जो प्रतिभाशाली बच्चे वैज्ञानिक बनाना चाहते हैं या रिसर्च या अध्यापन कार्य में अपना करियर बनाना चाहते हैं वे किसी भी आईआईटी में जाने से ज्यादा आईआईएस में जाना ज्यादा पसंद करते हैं। स्वामी विवेकानंद ने 'दीन-दुखिया जन' के लिए सेवा को सर्वोच्च धर्म बताया। उनका मानना था कि सामाजिक सेवा ही सच्चा धर्म है। विवेकानंद ने सर्वधर्म समभाव और मानवतावाद का संदेश देते हुए, हर व्यक्ति के कल्याण के लिए काम किया। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की जो आज भी भारत में विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक सेवाएं प्रदान करता है।

महात्मा बुद्ध, गुरुनानक और अन्य संतों ने भी परोपकार पर जोर दिया। मध्ययुगीन भारत में राजाओं और धनिकों द्वारा अनेक धर्मार्थ संस्थानों की स्थापना की गई जो स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और गरीबों की सहायता के लिए समर्पित थे। आपको हरेक गांव, कस्बे, शहर वगैरह में गैर सरकारी प्रयासों से चल रहे स्कूल, कॉलेज, धर्मशालाएं, लंगर और प्याऊ वगैरह मिल जाते हैं।

अभी कुछ दिन पहले शारदीय नवरात्र समाप्त हुए। इस दौरान देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के तमाम शहरों में भंडारे चलते रहे। आप कह सकते हैं इस दौरान भंडारों की बहार थी। सब भंडारे के प्रसाद को प्रसन्नतापूर्वक ग्रहण कर रहे थे। भंडारों में समाजवादी व्यवस्था वास्तव में बहुत प्रभावशाली होती है। भंडारों में प्रसाद के रूप में बंटते हैं छोले, कुलचे, हलवा, पूड़ी-आलू, ब्रेड पकोड़ा आदि। कुछ भंडारों में खीर का प्रसाद भी वितरित होता है। देश की राजधानी दिल्ली भंडारों की भी राजधानी है। कहने वाले कहते हैं कि कैसेट किंग गुलशन कुमार ने भंडारा संस्कृति का पुनर्जागरण किया था। उन्होंने वैष्णो देवी में भंडारे का आयोजन शुरू किया था। तब दिल्ली वाले वैष्णो देवी जाकर गुलशन कुमार की तरफ से चलने वाले भंडारे में भोग अवश्य लगाया करते थे। यहां से ही भंडारा संस्कृति ने पैर जमाए थे।

भंडारे के प्रसाद की बात ही अलग होती है। इसका स्वाद अतुलनीय होता है। ये भंडारे की महिमा ही मानी जाएगी। भंडारा अपने आप में जात-पात और वर्ग की दीवारों को तोड़ता है। इसमें सब प्रेम से प्रसाद लेते हैं। भंडारे का प्रसाद पूरे अनुशासन से लिया जाता है। कनॉट प्लेस में रोज हजारों लोग नवरात्रों के दौरान भंडारे का प्रसाद खाते हैं। जो भंडारा आयोजित करते हैं, वे या तो हनुमान मंदिर के आगे से प्रसाद खरीद कर बांट देते हैं या फिर खुद ही कहीं से बनवा कर लाते हैं। भंडारों की एक खास बात ये भी है कि इनसें प्रसाद हिन्दू, मुसलमान,सिख, ईसाई सब ग्रहण करते हैं।

साउथ दिल्ली के पिलंजी गांव में कुछ युवकों ने कुछ साल पहले 'बालाजी कुनबा' नाम से संगठन स्थापित किया। इसका मकसद जरूरतमंदों की भूख मिटाना है। ये हर रोज एम्स, सफदरजंग अस्पताल, राम मनोहर लोहिया अस्पातल के आगे बिहार, उड़ीसा, मध्य प्रदेश वगैरह से रोगियों के साथ आए तीमारदारों को भरपेट भोजन करवाते हैं। कौन हैं बालाजी कुनबा के सदस्य? यह सब हनुमानजी के भक्त हैं। इनकी कारों पर हनुमानजी की तस्वीर वाला बैनर लगा होता है। जिस पर 'बालाजी कुनबा- एक परिवार भूख के खिलाफ' लिखा रहता है। भंडारे के लिए पैसे का जुगाड़ पिलंजी गांव के लोग करते हैं। ये अधिकतर गुर्जर समाज से संबंध रखते हैं। आप भंडारा संस्कृति को भी तो जन सेवा ही कहेंगे। क्या अब भी किसी को बताने की जरूरत है कि परोपकार औस समाज सेवा हरेक भारतीय के जीवन का हिस्सा है। यकीन मानिए आपको अमेरिका या यूरोप में कहीं कोई भंडारा नहीं मिलेगा। अब आप भारत और यूरोप अंतर को समझ गए होंगे।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

मणिपुर की जातीय हिंसा, अधिकारियों की अग्नि परीक्षा

> कानून-व्यवस्था की स्थिति तेजी से बिगड़ गई, सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया और हिंसक घटनाएँ सामने आईं। सांप्रदायिक विभाजन ने अखिल भारतीय सेवाओं (एआईएस) के अधिकारियों के कामकाज को गहराई से प्रभावित किया, जिससे उनके बीच भौगोलिक और मनोवैज्ञानिक बाधाएँ पैदा हुईं, संघर्ष के कारण पहाड़ी और घाटी जिले दुर्गम हो गए। वर्तमान स्थिति सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा परिकल्पित रस्टील फ्रेमस्र के लिए खतरा है, जिसमें अखिल भारतीय सेवाएँ भारत की प्रशासनिक मशीनरी की रीढ़ हैं।

प्रियंका सौरभ

मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा 3 मई, 2023 को भड़क उठी। इस संघर्ष में 200 से अधिक मौतें हुईं और 60, 000 लोग विस्थापित हुए। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच संघर्ष की जड़ें मणिपुर के जातीय और ऐतिहासिक संदर्भ में गहराई से जुड़ी हुई हैं। मुख्य रूप से घाटी क्षेत्रों में रहने वाले मेइतेई और पहाड़ी जिलों में रहने वाले कुकी समुदाय के बीच लंबे समय से सामाजिक-राजनीतिक और भूमि सम्बंधी विवाद हैं। राजनीतिक सत्ता, भूमि और सरकारी संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा ने इन समुदायों के बीच तनाव बढ़ा दिया है। आरक्षण, भूमि स्वामित्व और स्वायत्तता से सम्बंधित नीतियाँ इस टकराव के केंद्र में हैं। आदिवासी और गैर-आदिवासी समूहों को वगीर्कृत करने की ब्रिटिश काल की नीतियों ने विभाजन पैदा किया जो आज भी गूंजता है।

कानून-व्यवस्था की स्थिति तेजी से बिगड़ गई, सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया और हिंसक घटनाएँ सामने आईं। सांप्रदायिक विभाजन ने अखिल भारतीय सेवाओं (एआईएस) के अधिकारियों के कामकाज को गहराई से प्रभावित किया, जिससे उनके बीच भौगोलिक और मनोवैज्ञानिक बाधाएँ पैदा हुईं, संघर्ष के कारण पहाड़ी और घाटी जिले दुर्गम हो गए। वर्तमान स्थिति सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा परिकल्पित रस्टील फ्रेमस्र के लिए खतरा है, जिसमें अखिल भारतीय सेवाएँ भारत की प्रशासनिक मशीनरी की रीढ़ हैं। हिंसा और जातीय विभाजन के कारण एस्प्रिट डे कॉर्प्स (अधिकारियों के बीच एकता और आपसी सम्मान) तनाव में है, जिससे अधिकारियों के बीच सहयोग और विश्वास कमजोर हो रहा है। संघर्ष ने एआईएस अधिकारियों के बीच पारस्परिक सम्बंधों पर गहरा प्रभाव डाला है, सामाजिक आदान-प्रदान और सहयोग दुर्लभ हो गए हैं। नफरत फैलाने वाले भाषण, प्रचार और ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से सार्वजनिक चर्चा के ध्रुवीकरण ने रिश्तों को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया है, जिससे विभिन्न जातीय पृष्ठभूमि के अधिकारियों के लिए एक साथ काम करना मुश्किल हो गया है।

मनोवैज्ञानिक युद्ध, दुष्प्रचार और आर्थिक व्यवधान जैसे गैर-गतिशील तत्वों ने मणिपुर में तनाव को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हाइब्रिड युद्ध के हिस्से के रूप में इन युक्तियों ने जनता के मनोबल और शासन में विश्वास को कम कर दिया है, जिससे कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए ज़िम्मेदार आईएएस और अन्य सेवाओं के लिए एक महत्त्वपूर्ण चुनौती पैदा हो गई है। विभिन्न जातीय पृष्ठभूमि के सिविल सेवकों को अपनी जातीय पहचान के साथ अपने पेशेवर कर्तव्यों को संतुलित करने में दुविधाओं का सामना करना पड़ता है। सामुदायिक अपेक्षाओं और वफादारी का दबाव बनाम प्रशासनिक तटस्थता बनाए रखने की आवश्यकता एक महत्त्वपूर्ण नैतिक चुनौती प्रस्तुत करती है। कई अधिकारियों को उनकी जातीयता के कारण व्यक्तिगत सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ता है। सरकारी अधिकारियों को भीड़ द्वारा निशाना बनाए जाने और सुरक्षा की आवश्यकता की रिपोर्टें उनके सामने आने वाले गंभीर खतरों को रेखांकित करती हैं। इससे मनोवैज्ञानिक तनाव पैदा हो गया है और उनके कर्तव्यों को पूरा करने की क्षमता में बाधा उत्पन्न हुई है। दुष्प्रचार, घृणास्पद भाषण और भड़काऊ सामग्री फैलाने में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों की भूमिका ने संघर्ष को बढ़ा दिया है। हिंसा और भड़काऊ भाषणों के वीडियो ने समुदायों को और अधिक ध्रुवीकृत कर दिया है, जिससे नागरिक अधिकारियों के लिए कहानी को प्रबंधित करना मुश्किल हो गया है। चुनौतियों के बावजूद, मणिपुर संघर्ष को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) जैसे संस्थानों द्वारा अनुसंधान और दस्तावेजीकरण के अवसर के रूप में देखा जा सकता है। इस मामले के आधार पर संघर्ष प्रबंधन, सुलह और प्रशासनिक तटस्थता पर प्रशिक्षण मॉड्यूल और क्षमता-निर्माण कार्यशालाएँ विकसित की जा सकती हैं। इस तरह के केस अध्ययन लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर जातीय केंद्रित संघर्षों से निपटने में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करेंगे, जो संघर्ष क्षेत्रों में शासन की शैक्षणिक और व्यावहारिक समझ में योगदान देंगे। वेबर द्वारा प्रतिपादित नौकरशाही की अवैयक्तिक प्रकृति का लाभ संघर्षग्रस्त राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए किया जा सकता है। बैचमेट्स के बीच पेशेवर टीम भावना और राष्ट्रीय एकीकरण के एजेंट के रूप में एआईएस अधिकारियों की तटस्थ भूमिका संघर्षों को हल करने के लिए एक लचीला ढांचा प्रदान करती है। शांति-निर्माण प्रयासों में अधिकारियों को शामिल करने के लिए नवीन कार्मिक प्रबंधन नीतियों का कार्यान्वयन। विभिन्न जातीय समुदायों के अधिकारियों के बीच नियमित आभासी बैठकें बेहतर सम्बंधों को बढ़ावा दे सकती हैं और संघर्ष से उत्पन्न मनोवैज्ञानिक अलगाव को कम कर सकती हैं। इस तरह के उपाय मणिपुर में उभरे प्रशासनिक सिलोस को तोड़ने में मदद कर सकते हैं, सिविल सेवाओं के भीतर बेहतर सहयोग की सुविधा प्रदान कर सकते हैं और शांति प्रक्रिया में योगदान दे सकते हैं। यह संघर्ष भारत में संघीय एकता के महत्त्व को भी रेखांकित करता है। संचार चैनलों को मजबूत करने और राज्य और केंद्र सरकारों के बीच साझा जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने से भविष्य के संकटों को कम करने में मदद मिल सकती है।

मणिपुर में जातीय हिंसा ने गहरे जड़ें जमा चुके सांप्रदायिक संघर्षों से निपटने में भारत की प्रशासनिक प्रणाली की कमजोरी को उजागर कर दिया है। हालाँकि यह स्थिति अखिल भारतीय सेवाओं की अखंडता के लिए गंभीर चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है, यह संघर्ष-ग्रस्त क्षेत्रों में शासन के दृष्टिकोण पर पुनर्विचार और सुधार करने का एक अनूठा अवसर भी प्रदान करती है। क्षमता निर्माण, अनुसंधान और नवीन नीति उपायों पर ध्यान केंद्रित करके, आईएएस और अन्य सेवाएँ संकट को एक सीखने के अनुभव में बदल सकती हैं जो भविष्य के संघर्षों में रस्टील फ्रेमस्र के लचीलेपन को मजबूत करती है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

लाभ नहीं मिल रहा है तो धारणा बदलिए

मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि जब भी हम कोई नया कार्य करते हैं, तो हमारे स्वयं के दिमाग में उसका सम्भावित परिणाम पहले से ही बनने लगता है। इसे समझने के लिए एक छोटा सा उदाहरण लेते हैं, मान लीजिए आप डाइनिंग टेबल पर डिनर कर रहे हैं, आपको खाने में नमक कम लगता है, लेकिन टेबल पर नमक नहीं मिलता है, आपकी पत्नी बताती है कि नमक किचेन में नीचे वाली अलमारी में रखा है, जाकर ले आओ। आप तुरन्त यह कहकर मना कर देते हैं, कि नमक आपको नहीं मिलेगा, आप नहीं जाएंगे।

आपकी पत्नी एक बार फिर जोर देकर कहती है, लेकिन आप उठने के मूड में नहीं हैं, जिसके कारण आप बहाना बनाने लगते हैं कि आपको नमक नहीं मिलेगा। तीसरी बार आपकी पत्नी के कहने पर आप मन मारकर उठ तो जाते हैं लेकिन किचेन में अलमारी समेत कई जगह ढूंढ़ने के बावजूद आपको नमक मिलता ही नहीं है, जिसके कारण मजबूर होकर आपकी पत्नी को किचेन में आना पड़ता है और पहली बार में ही अलमारी में नमक मिल जाता है जो सामने ही रखा होता है। तब आपके उपर यह इल्जाम लगता है कि आपको जिस जगह इतना ढूंढ़ने पर भी नमक नहीं मिला, वहीं पर आपकी पत्नी ने एक ही बार में उसे कैसे ढूंढ़ लिया। निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि आप जो सोचते हैं, जिस प्रकार आपके मन की धारणा है, वह आपके कार्य पर खास प्रभाव डालती है।

आपके अन्तर्मन की धारणा की वजह से ही आपका दिमाग उस कार्य से जुड़ा एक काल्पनिक वातावरण तैयार करता है, जो आपकी सफलता या असफलता का जिम्मेदार होता है। आपके मन में कार्य की सफलता के प्रति विश्वास होना बहुत जरूरी है। जैसे कि किचेन से नमक लाने के बारे में आपने यह धारणा पहले ही बना ली, कि नमक आपको नहीं मिलेगा, जिसके कारण आपके दिमाग ने इसी धारणा पर कार्य किया और किचेन में आपको नमक नहीं मिला।

अध्यात्म

भाग्य पर भरोसा करने से कुछ नहीं होता

महाराज भृर्तहरि के अनुसार मनुष्य के भाग्य में जितना धन पाना लिखा है, वह उसे रेगिस्तान में भी प्राप्त हो जायेगा, उससे अधिक सोने के पहाड़ पर भी प्राप्त नहीं होगा, अत: व्यक्ति को धैर्य रखना चाहिये। घड़े में उतना ही पानी समाएगा, जितने की उसकी क्षमता है, चाहे उसे किसी भी कुएं से भरा जाये अथवा समुद्र से। प्राचीन नीति शास्त्र और ग्रंथों में भाग्य का महत्व स्वीकार किया गया है, लेकिन यह भी बताया गया है कि भाग्य के साथ-साथ कर्म यानि प्रयास और पुरुषार्थ का भी बड़ा महत्व है। पंचतंत्र की एक कथा का सार भाग्य और पुरुषार्थ के रहस्य को बताता है, कथा अनुसार एक अज्ञानी व्यक्ति सोचता है कि वह बिना मेहनत किए राजा के समान जी सकता है, लेकिन उसे यह बाद में पता चलता है कि बिना कर्म के सिर्फ भाग्य पर भरोसा करने से कुछ नहीं होता। इसलिए नीति शास्त्रों में कहा गया है कि मनुष्य का भविष्य उसके हाथ में ही होता है और यदि वह सही दिशा में प्रयास करें तो वह अपने भाग्य को बदल सकता है। भाग्य और पुरुषार्थ के संतुलन को महत्वपूर्ण माना गया है। भाग्य व्यक्ति के जीवन का एक हिस्सा है लेकिन सही समय पर सही कर्म और बुद्धिमानी से निर्णय लेना भी आवश्यक है। मनुस्मृति के अनुसार अगर व्यक्ति निष्क्रिय होकर सिर्फ भाग्य का इंतजार करता है, तो वह असफल हो सकता है। कर्म करने के बाद ही भाग्य का सही परिणाम मिलता है। भाग्य से प्राप्त होने वाली परिस्थितियां हमारे वश में नहीं होती, लेकिन उन पर प्रतिक्रिया कैसे देनी है, यह हमारे हाथ में होता है। अर्जुन का उदाहरण इस बात को स्पष्ट करता है, कि भाग्य महत्वपूर्ण है, लेकिन बिना पुरुषार्थ के सफलता प्राप्त नहीं की जा सकती। महाभारत के अनुसार पुरुषार्थी, भाग्य के अनुसार प्रतिष्ठा पाता है, पर अकर्मण्य असह्य दु:ख भोगता है। भाग्य परिस्थितियों को निर्धारित कर सकता है, लेकिन व्यक्ति के कर्म ही उसके परिणाम को प्रभावित करते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

चोरी की बाइक से 32 बोतल शराब जब्त, दो गिरफ्तार

मेट्रो रेज

गोड्डाः जिले की हनवारा थाना पुलिस ने चोरी की बाइक से 32 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। बिहार-झारखंड की सीमा पर संग्रामपुर पुल के पास वाहनों की चेकिंग के दौरान पुलिस को यह सफलता मिली। शराब तस्करी के लिए बिहार ले जाई जा रही थी। पुलिस ने बताया कि बाइक सवार दो युवक संग्रामपुर की तरफ से बिहार सीमा की ओर जा रहे थे। संग्रामपुर पुल के पास पुलिस को देख वे पीछे मुड़ गए और भागने लगे। जवानों ने खदेड़कर कर उन्हें पकड़ लिया। तलाशी में उनके पास थैले में रखी अंग्रेजी

शराब की 32 बोतलें मिलीं। हनवारा थाना प्रभारी राजन कुमार राम ने बताया कि पूछताछ में युवकों ने झारखंड से शराब ले जाकर भागलपुर में ऊंची कीमत पर बेचने की बात स्वीकारी। जांच में उनकी बाइक भी चोरी की मिली। बाइक नंबर भी अस्पष्ट है। पकड़े गए युवकों का नाम इनाम अंसारी व मोहम्मद छोटू है। दोनों

अपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने पर चर्चा

मेट्रो रेज

साहिबगंजः विधानसभा चुनाव के मद्देनजर झारखंड व बिहार की पुलिस पदाधिकारियों ने शुक्रवार को सदर एसडीपीओ कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अंतरराज्यीय बैठक आयोजित की गई । बैठक की अध्यक्षता एसडीपीओ किशोर तीर्की ने की। कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान मनिहारी एसडीपीओ, पीरपैती थाना,ईसी बाराहाट थाना प्रभारी, अमदाबाद थाना प्रभारी शामिल हुए।बैठक के दौरान विधानसभा चुनाव के मद्देनजर क्षेत्र में चुनाव शांतिपूर्ण वातावरण में हो,अपराधिक गतिविधियों ना हो, वारंटी कि गिरफ्तारी सहित अन्य मुद्दों पर विषेश चर्चा कि गई। इसी दौरान दोनों राज्य के एसडीपीओ ने उपस्थित थाना प्रभारियों से क्षेत्र के विषय में जानकारी इकट्ठा की। साथ ही अपराधिक गतिविधियों पर किस तरह से लगाम लगाई जा सके इस पर विशेष चर्चा की गई। इसी दौरान एसडीपीओ किशोर तीर्की ने बताया कि बिहार राज्य की पुलिस की बैठक विधानसभा चुनाव को लेकर की जा रही है। सीमावर्ती क्षेत्रों में किसी भी प्रकार का आपराधिक गतिविधि ना हो, किस तरह से दोनों राज्यों की पुलिस आपसी समन्वय बनाकर अपराधियों को धर पकड़ने में सहयोग करेगी , सड़क मार्ग व गंगा के रास्ते हथियार ,कैश ,शराब आदि की तस्करी ना हो सहित विभिन्न मुद्दों में वातार्लाप की गई है।मौके पर नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता,मुफस्सिल थाना प्रभारी मदन कुमार, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी पंकज दूबे, मिजाचौकी थाना प्रभारी व बोरियो थाना मौजूद थे।

झारखंड विधानसभा चुनाव 2024

जनता के आशीर्वाद से फिर से होगी कांग्रेस की जीतः निशात आलम

मेट्रो रेज

साहिबगंज : झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री तथा वर्तमान विधायक आलमगीर आलम की पत्नी सह पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी निशात आलम शनिवार को रांची भागलपुर वनांचल एक्सप्रेस ट्रेन से बरहरवा रेलवे स्टेशन पहुची।जहां पर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष बरकत खान के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं व उनके समर्थकों ने जोरदार तरीके से स्वागत किया, कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद आलमगीर आलम जिंदाबाद निशात आलम जिंदाबाद तनवीर आलम जिंदाबाद का नारा लगाया। बरहरवा रेलवे स्टेशन से

वे अपने आवास इस्लामपुर सड़क मार्ग से पहुची टिकट मिलने के बाद पहली बार बरहरवा पहुंचने पर निशात आलम ने कहा कि पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की जनता के आशीर्वाद से मुझे कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार बनाया है मैं प्रदेश एवं केंद्रीय नेतृत्व को धन्यवाद देते हुये कहना चाहती हूं कि पाकुड़ विधानसभा में फिर से कांग्रेस के जीत होगी और झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार फिर से बनेगी। उन्होंने कहा कि अपने सुहाग के ऊपर जब भी संकट आता है तो सबसे पहले उनकी पत्नी ही खड़ी रहती है। पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र में अब महिलाओं को उनका दुख दर्द सुनने के लिये मैं मैदान में आ गई हूं महिलाएं अपनी समस्याएं निर्भीक होकर हमसे साझा करेंगे और मैं उनसे वचन देता हूं कि मैं उनका समाधान करूंगा अब वक्त आ गया है सभी महिलाएं घर के चौखट से बाहर निकले और अपना हक अधिकार के लिए हमारा साथ दें।मौके पर 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष अशोक दास, प्रखंड अध्यक्ष रंजीत टुडु, शाहनवाज नासिर,भोला महतो, अब्दुल जब्बार,अनीता साह,मोहम्मद शफातुल्लाह, दिनेश तुरी सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

ईवीएम-वीवीपैट मशीनों का विधानसभा वार विखण्डी करण की प्रक्रिया प्रारंभ

मेट्रो रेज

साहिबगंज : विधानसभा आम चुनाव2024 को स्वतंत्र निष्पक्ष पारदर्शिता से संपन्न कराने को लेकर को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों, रिटर्निंग ऑफिसर की मौजूदगी में प्रथम रेंडमाइजेशन पश्चात विधानसभा बार विखण्डी करण की प्रक्रिया प्रारंभ किया गया।प्रथम रेंडमाइजेशन के द्वारा ईवीएम, वीवीपैट मशीनों को विधानसभा वार आवंटित किया जाएगा। प्रथम रेंडमाइजेशन में एक राजमहल विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदान केन्द्रो कि संख्या 383 हेतु, बीयू 478, सीयू 478, वीवीपैट 497 व 02 -बोरियो अजजा विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदान केन्द्रो कि संख्या 1348 हेतु, बीयू 435, सीयू 435, वीवीपैट 452 एवं 03- बरहेट अ0ज0जा0 कुल मतदान केन्द्रो कि संख्या 277 हेतु बीयू 346 , सीयू 346, वीवीपैट 360 आवंटित किया जाएगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि द्वितीय रेंडमाइजेशन नियमानुसार शीघ्र ही ऑब्जर्वर, राजनैतिक पार्टियों की प्रतिनिधियों की मौजूदगी में किया जाएगा। द्वितीय रेंडमाइजेशन के द्वारा बूथों के लिए ईवीएम, वीवीपैट का आवंटन हो जाएगा। ईवीएम संबंधित क्षेत्रों के सहायक रिटर्निंग ऑफिसरों को तकनीकि रूप से सौंपी गई। ईवीएम को स्ट्रॉन्ग रूम में सीसीटीवी कैमरों की नजर में कढ़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुरक्षित रखा गया है। मौके पर अपर समाहर्ता -सह- निवार्ची पदाधिकारी गौतम भगत सभी राजनीतिक पार्टी के प्रतिनिधि गण उपस्थित थे।

आजसू प्रत्याशी अजहर इस्लाम को भारी मतों से विजयी बनाना हैः नवीन दुबे

मेट्रो रेज

साहिबगंज/बरहरवा : झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर बरहरवा के कोइरीपाडा स्थित आर बी पैलेस होटल में आजसू पार्टी की पंचायत स्तरीय बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता आजसू बरहरवा प्रखंड अध्यक्ष नवीन दुबे ने की।बैठक में बूथ कमिटी को मजबूत करने पर चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए आजसू के पाकुड़ जिला अध्यक्ष आलमगीर आलम के कहा कि

प्रत्याशी को जिताने के लिए आजसू के सभी कार्यकर्ता पार्टी का सिंबल घर घर पहुंचाने का काम करेंगे।इस विधानसभा चुनाव में आजसू प्रत्याशी अजहर इस्लाम को भारी मतों से विजयी बनाना है।बैठक में मुख्य रूप से पाकुड़ जिला अध्यक्ष सह बरहरवा प्रखंड चुनाव प्रभारी आलमगीर अलम,केंद्रीय समिति सदस्य विजय साह,बरहरवा प्रखंड अध्यक्ष नवीन दुबे,प्रखंड सचिव प्रणव साह,प्रखंड उपाध्यक्ष सलीम जहांगीर,मीडिया प्रभारी यदुल शेख,जयदुर रहमान,सुनील शेखर गुप्ता,आसिफ अंसारी,वहीदुर जवान के अलावे कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पिकअप वैन डब्ल्यू बी 65सी 8043 से दो लाख बरामद

मेट्रो रेज

साहिबगंजः विधानसभा चुनाव 2024 को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय साहिबगंज के निदेर्शानुसार इंटरडिस्ट्रिक्ट, इंटरस्टेट चेक पोस्ट पर सघन जांच जारी है। इसी क्रम में बरहरवा थाना अंतर्गत बेवा पुल पर महतबपुर चेक नाका पर वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक पिकअप वैन डब्ल्यू बी 65सी 8043 दो लाख रुपए बरामद किया गया। वाहन चालक एवं वाहन में मौजूद व्यक्ति के द्वारा उक्त कैश के संबंध में कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया एवं अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

विस चुनाव को लेकर पुलिस के जवान ने किया फ्लैग मार्च

मेट्रो रेज

साहिबगंज/उधवा : विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष माहौल में संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में है। चुनाव को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव के लिए व्यवस्था बनाये रखने के लिए व्यापक बंदोबस्त करना शुरू कर दिया है। वही चुनाव में पूर्व विधि-व्यवस्था व शांति बनाये रखने व आमजन में सुरक्षा की भावना बनाये रखने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा फ्लैग मार्च निकालकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को राधानगर

थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों में फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च थाना मुख्यालय से निकलकर उधवा, फुदकीपुर, इंग्लिश, कटहल बाड़ी , बेगमगंज, राधानगर, चांद शहर, नव पाड़ा, आतापुर आदि जगहों से होते हुए राधानगर मुख्यालय के पास पहुंचकर संपन्न हुई। फ्लैग मार्च का नेत्तृत्व एसआई संजय दुबे कर रहे थे।फ्लैग मार्च में भारी संख्या में पुलिस के जवान शामिल थे। इस दौरान एसआई संजय दुबे ने आमजनों से अपील करते हुए शांति- व्यवस्था बनाये रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों को लेकर पुलिस अलर्ट है। चुनाव पर प्रभाव डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देश पर आदर्श आचार संहिता अनुपालन के संबंध में बताया गया। फ्लैग मार्च के माध्यम से लोगों को कानून का पालन करने की अपील की गयी।

बड़कागांव से एनडीए प्रत्याशी रोशन लाल चौधरी ने भरा पर्चा

मेट्रो रेज

रामगढ़ : बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी रोशन लाल चौधरी ने शुक्रवार को अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। इस दौरान उनके भाई गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी साथ थे। नामांकन दाखिल करने के बाद सीसीएल फुटबॉल मैदान नया नगर बरकाकाना में नामांकन सह आशीर्वाद सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओम प्रकाश चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में हजारीबाग सांसद मनीष जयसवाल, गिरीडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी एवं पूर्व विधायक लोकनाथ महतो उपस्थित थे। सभा का संचालन हरिरत्नम साहू व अनिल राय ने संयुक्त रूप से किया। सभा के दौरान भाजपा प्रत्याशी रौशन लाल चौधरी विशेष रूप से उपस्थित होकर सभी का

अभिवादन किया।

मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओम प्रकाश चौधरी ने कहा कि राज्य की हेमंत सरकार अपने सहयोगियों के साथ मिलकर भ्रष्टाचार में लिपटी हुई है। हेमंत सोरेन की सरकार से आम जनता का भला कभी नही हो सकता है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी रौशन लाल चौधरी के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए वर्तमान की हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने की बात कही। सभा के दौरान सैकड़ों गाड़ियां एवं उपस्थित हजारों लोगों की भीड़ ने समारोह को भाजपामय कर दिया। मौके पर छत्तीसगढ़ के प्रवासी रमण सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, विधानसभा प्रभारी किसलय तिवारी, भाजपा रामगढ़ जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष कुश श्रीवास्तव, आजसू जिलाध्यक्ष दिलीप दांगी, हजारीबाग भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह, आजसू जिलाध्यक्ष परमेश्वर महतो, सतीश सिन्हा, राधेश्याम अग्रवाल, डॉ रेखा चौधरी, पूनम साव सहित बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के हजारों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

तीनो विधानसभा से चार प्रत्याशी ने दाखिल किया नामांकन

साहिबगंज/मेट्रो रेज : जिले के तीनों विधानसभा के राजमहल, बोरियोंऔर बरहेट का चुनाव दुसरे चरन मे बीस नवंबर को होगा ।नामांकन के चौथे दिन को चार प्रत्याशीयो ने अपने अपने निवार्चीत पदाधिकारी के समक्ष नामांकन का पर्चा दाखिल किया। वहीं बोरियों विधानसभा से लोवीन हेंब्रम भाजपा से मंडल हासदा निर्दलीय ने निर्वाचित पदाधिकारी सह साहिबगंज अनुमंडल पदाधिकारी अंगार नाथ स्वर्णकार के समक्ष नामांकन का परिचय दाखिल किया। जबकि बरहेट विधानसभा क्षेत्र से सेवा स्टील हेंब्रम निर्दलीय प्रत्याशी ने निर्वाचित पदाधिकारी सह अपारसमर्थ गौतम कुमार भगत के नाम निर्दलीय पत्र दाखिल वहीं राजमहल विधानसभा क्षेत्र से हर रामेश्वर मंडल पिपलिया पार्टी ऑफ इंडिया के उम्मीदवार ने राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी कपिल कुमार के समक्ष नामांकन पर्चा दाखिल किया इधर प्रत्याशियों के नामांकन को देखते हुए नामांकन स्थल एसडीओ कार्यालय परिसर में बेरी कटिंग कर सुरक्षा के पोकता इंतजाम किए गए हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

धोखाधड़ी से शादी रचाने की थाने में शिकायत दर्ज

साहिबगंज/उधवा/मेट्रो रेज : कुली नंबर एक फिल्म तो शायद हर कोई देखी होगी। गोविंदा रेलवे स्टेशन पर कुली का काम करते करते बड़े घराना में शादी करने का फैसला किया। एक शानदार हवेली किराए पर लेकर कादर खान की बेटी करिश्मा कपूर के साथ धोखाधड़ी कर शादी कर लिया। इसी फिल्म की घटना को पश्चिम बंगाल के एक युवक ने चरितार्थ किया है। मामला राधानगर थाना क्षेत्र की एक युवती के साथ घटित हुई है। पश्चिम बंगाल के एक युवक ने किराए पर मकान लेकर अपने आप को रहीश खानदान बताकर एक युवती से शादी कर लिया। शादी में उसे मोटी रकम की दहेज भी मिली। जब घटना उजागर हुई तो युवती ने राधानगर थाना में इसकी लिखित शिकायत दर्ज कराई। दरअसल पश्चिम बंगाल के एक युवक ने धोखाधड़ी कर राधानगर थाना क्षेत्र की एक युवती के साथ शादी रचा लिया। उक्त युवक पश्चिम बंगाल में एक शानदार पांच मंजिला मकान किराए पर लिया गया और शादी करने के लिए लड़की की खोजबीन की गई। उसकी शादी राधानगर थाना क्षेत्र के एक गांव में तय हुई थी। शादी के पूर्व लड़की वालों ने जब युवक के घर गए तो मकान देखकर लड़की वालों को एहसास हुआ कि लड़का अमीर परिवार से ताल्लुक रखता है। युवक करीब एक सप्ताह पूर्व अपनी पत्नी को मायके घर पर रखकर अचानक कहीं लापता हो गया। युवक का फोन भी स्विच ऑफ मिला। युवती के घर वालों को संदेह होने पर पता चला कि जिस मकान को दिखाकर युवक शादी किया था वो मकान किराए का था। हालाकी युवक का कोई अता पता नहीं चल रहा है। मामले को लेकर युवती ने राधानगर थाना पुलिस को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

उपायुक्त के निर्देश पर तीन डॉक्टरों का स्थानांतरण

साहिबगंज/मेट्रो रेज : उपायुक्त हेमंत सती के निर्देश पर सिविल सर्जन डाक्टर प्रवीण कुमार संथालिया के द्वारा तीन डाक्टर को विभिन्न अस्पतालों मे स्थानांतरण कर दिया है। वही तीनों डाक्टरों को अपने नव प्रतिनियुक्ती संस्थान में दो दिनो के अंदर योगदान करने का निर्देश दिया गया है । सीएस की ओर से जारी आदेश मे सदर अस्पताल मे पदस्थापित हड्डी रोग विशेषज्ञ डाक्टर सचिन कुमार को बरहेट रेफल अस्पताल मे पदस्थापित । हड्डी रोग विशेषज्ञ डाक्टर तापस मुर्मू को सदर अस्पताल व सदर अस्पताल मे पदस्थापित नेत्र रोग विशेषज्ञ डाक्टर शाहबाज हुसैन को राजमहल अनुमंडल अस्पताल में पदास्थापित किया गया है । सीएस के अनुसार बीते दिनो सदर अस्पताल के उपाध्यीक्षक ने अस्पताल के चिकित्सक के कार्य मे व्यवधान उत्पन्न होने को लेकर मरीज के चिकित्सक हित मे इन चिकित्सक को अन्य जगह पर प्रतिनियुक्ती करने की अनुशंसित उपायुक्त हेमंत सती से की थी । इसके बाद यह कार्रवाई की गई ।

बॉर्डर सीलिंग व विधि-व्यवस्था संधारण से संबंधित बैठक

साहिबगंज/मेट्रो रेज : आगामी विधानसभा आम चुनाव- 2024 के मद्देनजर अन्तर्राज्यीय बॉर्डर सीलिंग एवं विधि-व्यवस्था संधारण इत्यादि के बिन्दु पर विचार-विमर्श प्रमंडलीय आयुक्त संथाल परगना प्रमंडल, दुमका लालचन्द डाडेल आईएएस की अध्यक्षता में पाकुड़ परिसदन में अन्तर्राज्यीय बैठक आहूत कि गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह- उपायुक्त, साहेबगंज हेमंत सती अपने कार्यालय प्रकोष्ठ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उक्त बैठक में सम्मिलित हुए। बैठक में अन्तर्राज्यीय बॉर्डर सीलिंग एवं विधि-व्यवस्था संधारण इत्यादि के बिन्दु पर विचार-विमर्श किया व प्रमंडलीय आयुक्त, संथाल परगना प्रमंडल दुमका, लालचन्द डाडेल द्वारा अन्तर्राज्यीय बॉर्डर सीलिंग एवं विधि-व्यवस्था संधारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पारामेडिकल कर्मियों को आवश्यक दिशा - निर्देश

साहिबगंज/मेट्रो रेज : सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ परवीन कुमार संथालिया द्वारा साहिबगंज शहरी क्षेत्र अंतर्गत अटल मोहल्ला क्लिनिक रसूलपुर दहला वार्ड न चार का औचक निरक्षण किया निरक्षण के दौरान सिविल सर्जन महोदय के द्वारा ओपीडी रजिस्टर, उपस्थिति पंजी, आवश्यक दवाएं एवं क्लिनिक मे साफ-सफाई आदि को देखे। सिविल सर्जन महोदय के द्वारा उपस्थित चिकित्सा पदाधिकारी व पारामेडिकल कर्मियों को आवश्यक दिशा - निर्देश देते हुए समय पर ड्यूटी आकर मोहल्ले वासियो को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने को कहा गया । मौके पर सभी स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

बोरियो विधानसभा सीट से भाजपा के लोबिन हेंब्रम ने किया नामांकन

गोड्डा/मेट्रो रेज : बोरियो विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी के रूप में लोबिन हेंब्रम ने शुक्रवार को नामांकन दाखिल किया। लोबिन हेंब्रम ललमटिया से अपने समर्थकों के साथ साहिबगंज पहुंचे और समाहरणालय पहुंचकर नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके बाद साहिबगंज कृषि भवन के समीप जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार में लूट का बोलबाला है। पूरा सरकारी त्रत लूट-खसोट में शामिल है। लंबी लड़ाई के बाद काफी मुश्किल से झारखंड अलग राज्य बना, लेकिन जल, जंगल और जमीन बचाने की बात कहने वाले ही आज इसके दुश्मन बन गए हैं। झारखंडियों को उनका हक दिलाने की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। इसी सोच के तहत मैंने झारखंड के खतियान को मुद्दा बनाया था। लेकिन हेमंत सोरेन सरकार ने इस दिशा में कुछ नहीं किया। इस अवसर पर राजमहल के भाजपा प्रत्याशी अनंत ओझा, अनीता सोरेन, बोआरीजोर भाजपा मंडल अध्यक्ष बमभोली पांडेय, प्रबोध सोरेन, खबीर अंसारी, रोबिन तुरी, विक्रांत भारती, अमर हेंब्रम, इस्लाम अंसारी, शेखावत अंसारी व अन्य मौजूद थे।

अमिताभ बच्चन और अभिषेक ने मुंबई में खरीदे 10 फ्लैट्स

बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन और उनके बेटे अभिषेक बच्चन दोनों इस समय रियल एस्टेट में भारी निवेश कर रहे हैं। जानकारी सामने आई है कि दोनों ने मुंबई में करोड़ों की प्रॉपर्टी खरीदी है। बच्चन परिवार की ये लग्जरी प्रॉपर्टी ओबेरॉय रियल्टी प्रोजेक्ट में है। इसमें तीन बीएचके और चार बीएचके के अपार्टमेंट हैं। उन्होंने ऐसे कुल 10 अपार्टमेंट खरीदे हैं। अभिषेक बच्चन इस समय अपनी पत्नी और एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय के तलाक की खबरों को लेकर सुर्खियों में हैं। बताया जा रहा है कि दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। इसी बीच अब अभिषेक ने अपने पिता के साथ मुंबई के मुलुंड इलाके में एक नया लग्जरी अपार्टमेंट खरीदा है। इस संपत्ति की कीमत 24.95 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट के मुताबिक, अभिषेक और अमिताभ ने मुंबई में अब तक करीब 219 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी खरीदी है। स्क्वायर याड्र्स के पंजीकरण दस्तावेजों के अनुसार अमिताभ और अभिषेक ने ओबेरॉय रियल्टी के प्रीमियम आवासीय प्रोजेक्ट इटर्निया में 10 अपार्टमेंट खरीदे हैं। इनमें से 8 अपार्टमेंट का क्षेत्रफल 1,049 वर्ग फुट है। जबकि, अन्य दो अपार्टमेंट का क्षेत्रफल 912 वर्ग फुट है। उन्होंने 25.94 करोड़ रुपये में 10,216 वर्ग फीट क्षेत्रफल वाली संपत्ति खरीदी है।

अभिषेक बच्चन ने खरीदे 6 अपार्टमेंट

अभिषेक बच्चन के नाम 10 में से छह अपार्टमेंट खरीदे गए हैं। अभिषेक ने इसके लिए 14.77 करोड़ रुपये चुकाए हैं, जबकि अन्य चार अपार्टमेंट अमिताभ बच्चन ने खरीदे हैं। इन अपार्टमेंट्स की कीमत 10.18 करोड़ रुपये है। इसके लिए अमिताभ और अभिषेक ने 1.50 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी भी चुकाई है।

कुछ महीने पहले खरीदा गया एक फ्लैट

अभिषेक ने कुछ महीने पहले जलसा बंगले के पास एक प्रॉपर्टी खरीदी थी। इससे पहले अभिषेक बच्चन ने बोरीवली में कुल छह नए फ्लैट खरीदे थे। उन्होंने ओबेरॉय स्काई सिटी प्रोजेक्ट में छह फ्लैट खरीदे। इन छह फ्लैटों के लिए अभिषेक ने 15.41 करोड़ रुपये चुकाए थे।

ऋतिक रोशन के जन्मदिन पर रिलीज होगी डॉक्यूमेंट्री 'द रोशन्स'

अभिनेता ऋतिक रोशन हमेशा चर्चा में रहते हैं। अब एक बार फिर उन्होंने सबका ध्यान खींचा है। ऋतिक रोशन के प्रशंसकों के लिए एक अच्छी खबर है। रोशन परिवार पर एक डॉक्यूमेंट्री इस साल स्क्रीन पर आएगी। इसमें रोशन परिवार की विरासत दिखेगी। इस डॉक्यूमेंट्री की रिलीज को लेकर नई जानकारी सामने आई है। यह तारीख खास है, क्योंकि यह रितिक रोशन के 51वें जन्मदिन पर रिलीज हो रही है। वर्ष 2025 रोशन परिवार के लिए अहम साल होगा। 14 जनवरी 2000 को रिलीज हुई ऋतिक की पहली फिल्म 'कहो ना...प्यार है' को 25 साल हो जाएंगे। फिल्म करण अर्जुन (1995) राकेश रोशन निर्देशित और शाहरुख खान और सलमान खान स्टारर यह फिल्म 13 जनवरी 2025 को 30 साल पूरे कर लेगी। शशि रंजन की निर्देशित, 'द रोशन्स' में न केवल परिवार के सदस्यों बल्कि शाहरुख, प्रियंका चोपड़ा और एक्शन निर्देशक शाम कौशल के साक्षात्कार भी शामिल होंगे। ऋतिक इस समय अयान मुखर्जी की 'वॉर 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म में जूनियर एनटीआर और कियारा आडवाणी भी हैं। यह फिल्म अगले वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज होने वाली है। वाईआरएफ के 'अल्फा' में भी उनका कैमियो हो सकता है। इस दौरान, राकेश रोशन 'कृष 4' में भी व्यस्त बताए जा रहे हैं।

अनिल शर्मा ने फिल्म 'वनवास' का टीजर रिलीज करने की घोषणा की

फिल्म मेकर अनिल शर्मा ने अपनी फिल्म 'वनवास' का टीजर कुछ ही दिनों में रिलीज होने की घोषणा कर अपने फैंस को उत्साहित कर दिया है। अनिल ने टीजर से एक तस्वीर साझा की है, जिसमें टैगलाइन है, 'अपने ही देते हैं अपनों को वनवास', जो एक ऐसी कहानी का संकेत देती है जो पारिवारिक संघर्ष और विश्वासघात से जुड़ी हुई है। यह दिलचस्प लाइन एक कहानी की ओर इशारा करती है, जो रिश्तों की उलझनों और उनके साथ आने वाले मुश्किलों और दर्दनाक चुनावों पर बात करती है।

अनिल शर्मा ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर यह पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है, 'बस कुछ दिनों में टीजर जल्द आ रहा है ..वो त्रेता युग था जा, पिता ने कहा भी नहीं और पुत्र पिता के वचन का पालन करने चला गया वनवास और आज ?? परिवार के लिए एक पारिवारिक फि ल्म 20 दिसंबर से सिनेमाघर में।' अनिल शर्मा के बेटे उत्कर्ष शर्मा ने भी पोस्ट किया है और साथ ही कैप्शन में लिखा, 'वनवास' का टीजर कुछ ही दिनों में आ रहा है ' सभी फैंस के लिए दिवाली से पहले का तोहफा'

कैप्शन में कहा गया है कि टीजर जल्द ही रिलीज किया जाएगा और फिल्म 20 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। फिल्म में अनुभवी एक्टर नाना पाटेकर के साथ उत्कर्ष शर्मा हैं, जो अनिल शर्मा के बेटे हैं। उत्कर्ष ने गदर-2 में सनी देओल के बेटे का रोल किया था और उन्होंने गदर : एक प्रेम कथा में चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में अपना डेब्यू किया था।

'वनवास' अपनी मजबूत परफॉर्मेंस और दिलचस्प कहानी के साथ दर्शकों को आकर्षित करने के लिए तैयार है। यह फिल्म खास इसलिए भी है क्योंकि यह नाना पाटेकर और अनिल शर्मा का पहला सहयोग है। वर्ष 2023 की हिट फिल्म गदर-2 के बाद अनिल शर्मा अब 'वनवास' लेकर आ रहे हैं।

डब्ल्यूटीए ग्वांग्झू ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं सिनियाकोवा

एजेंसी

गुआंगझोउ। चेक गणराज्य की शीर्ष वरीयता प्राप्त कैटरीना सिनियाकोवा ने शुक्रवार को यहां डब्ल्यूटीए गुआंगझोउ ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। शुक्रवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सिनियाकोवा ने संयुक्त राज्य अमेरिका की पेरा बर्नार्डा को सीधे सेटों में हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। पहले सेट के तीसरे गेम में अपनी सर्विस गंवाने के बावजूद, सिनियाकोवा ने एक घंटे 25 मिनट तक चले मुकाबले में बर्नार्डा को 6-4, 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अन्य तीन एकल क्वार्टर फाइनल में इटली की लूसिया ब्रोंजेटी ने चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त वांग शियायू को 6-4, 6-1 से हराया, सर्बिया की ओल्गा डैनिलोविच ने थाईलैंड की मनंचया सावांगकाव को 6-4, 6-4 से हराया और संयुक्त राज्य अमेरिका की कैरोलिन डोलेहाइड ने स्पेन की बुजास मानेरो को 6-4, 4-6, 6-0 से हराया।

फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' के प्रमोशन के लिए पटना पहुंचे विक्रांत मैस, किए हनुमान मंदिर में दर्शन

'द साबरमती रिपोर्ट' का शानदार टीजर फिल्म मेकर्स ने हाल ही में रिलीज किया है। जिससे दर्शकों में खासा उत्साह है। फिल्म के लीड एक्टर विक्रांत मैसी भी प्रमोशन करने आजकल बिहार के दिल पटना में हैं। विक्रांत ने यहां से

अपनी इस फिल्म का प्रमोशन के सफर की शुरूआत की। पटना में विक्रांत ने हनुमान मंदिर में आशीर्वाद लेकर अपनी यात्रा की शुरूआत की। इसके साथ ही उन्होंने अपने फैंस और मीडिया से भी मुलाकात की। फैंस के साथ बातचीत और मीडिया को अपनी फिल्म की झलकियां दिखाने के दौरान विक्रांत ने 'द साबरमती रिपोर्ट' के बारे में कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। अब फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' का टीजर आ गया है। यह फिल्म साबरमती एक्सप्रेस पर 27 फरवरी 2002 को गोधरा रेलवे स्टेशन के पास हुई घटना की सच्चाई को उजागर करने की कोशिश की गई है। बालाजी मोशन पिक्चर्स, बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक डिविजन और विकिर फिल्म्स प्रोडक्शन की प्रस्तुत 'द साबरमती रिपोर्ट' में विक्रांत मैसी, राशी खन्ना और रिद्धि डोगरा लीड रोल में हैं, जो धीरज सरना की डायरेक्टेड और शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन की प्रोड्यूस की है। इस फिल्म को दुनियाभर में जी स्टूडियोज की ओर से 15 नवंबर 2024 को रिलीज किया जाएगा।

आईसीसी क्रिकेट विश्व कप चैलेंज लीग बी के लिए युगांडा की टीम में शामिल हुए 44 वर्षीय नसुबुगा

एजेंसी

कंपाला। युगांडा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) क्रिकेट विश्व कप चैलेंज बी के लिए 44 वर्षीय फ्रैंक नसुबुगा को राष्ट्रीय टीम में शामिल किया है। युगांडा 4-16 नवंबर, 2024 के बीच कंपाला और एंटेबे शहरों में विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा।

मुख्य कोच अभय शर्मा और एसोसिएशन चयन समिति द्वारा चुनी गई टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और पूर्व राष्ट्रीय अंडर-19 कप्तान पास्कल मुरुंगी सहित युवा प्रतिभाओं का मिश्रण है। कोच शर्मा ने एक नए कप्तान अली शाह को भी नियुक्त किया, जो एक गतिशील ऑलराउंडर हैं और ब्रायन मसाबा की जगह लेंगे। नए कप्तान अली ने कहा, 'यह मेरे लिए कोई चुनौतीपूर्ण काम नहीं होने वाला है। इस टीम में हर कोई अपनी भूमिका जानता है और उसे निभाने का प्रयास करता है।' चैलेंज लीग बी टूर्नामेंट 2027

आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है। मेजबान युगांडा 6 नवंबर को सिंगापुर के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगा और तीन दिन बाद तंजानिया से खेलेगा। युगांडा का सामना हांगकांग, इटली और बहरीन की टीमों से भी होगा।

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले, युगांडा पूर्वी शहर जिंजा में बहरीन के खिलाफ तीन अभ्यास श्रृंखलाएँ खेलेगा।

युगांडा की पूरी टीम इस प्रकार है- राघव धवन, जुमा मियागी, ब्रायन मसाबा, श्रीदीप मंगेला, ? फ्रेड अचेलम, केनेथ वैसवा, अल्पेश रमजानी, पास्कल मुरुंगी, हेनरी सेन्सेन्डो, रियाजत अली शाह, ? फ्रैंक एनसुबुगा, कॉसमास क्यूवुटा, रॉबिन्सन ओबुया, दिनेश नकरानी।

रिजर्व- जोसेफ बगुमा, साइरस काकुरु।

छह साल बाद फिर नवंबर से शुरू हो रहा 'सीआईडी', टीजर जारी

मशहूर टीवी सीरियल 'सीआईडी' छह साल बाद फिर दर्शकों के बीच वापस आ रहा है। यह नया सीजन नवंबर 2024 में स्क्रीन पर आएगा। शिवाजी साटम और आदित्य श्रीवास्तव का लुक देखने के बाद दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है। 'सीआईडी' के निमार्ताओं ने इंस्टाग्राम पर नए सीजन का एक टीजर जारी किया है। जिसमें दयानंद शेट्टी की आंखें और उनके माथे से खून निकलता हुआ दिखाई दे रहा है। तभी शिवाजी साटम यानी एसीपी प्रद्युम्न भारी बारिश में खुली छतरी के साथ कार से बाहर आते हैं। इसके बाद के सीन में आदित्य श्रीवास्तव की आंखें दिखाई जाती हैं, जबकि टाइम बम की आवाज सुनाई देती है। इस टीजर के अंत में एक धमाकेदार प्रोमो के साथ 26 अक्टूबर को रिलीज होने की बात कही गई है। नेटिजन्स ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देकर इस धारावाहिक के प्रति अपना प्यार व्यक्त किया है। कई लोगों ने कहा है कि बचपन लौट आया है। 'सोनी टीवी' पर प्रसारित होने वाले इस शो ने 27 अक्टूबर 2018 को दर्शकों से विदाई ले ली थी। यह शो 20 साल तक सफलतापूर्वक चला। देखने को मिला कि सीआईडी ??को दर्शकों का खूब प्यार मिला। 'सीआईडी' सबसे लंबे समय तक चलने वाले शो में से एक है। यह शो, जिसका प्रीमियर 21 जनवरी 1998 को हुआ था, टेलीविजन शो का प्रमुख हिस्सा बन गया, जिसमें एसीपी प्रद्युम्न और इंस्पेक्टर दया के किरदार दर्शकों के पसंदीदा बन गए। यह सीरीज लोगों को इतनी लोकप्रिय और पसंद आई कि शो खत्म होने के बाद भी दर्शक इसके पुराने एपिसोड्स देखते थे। इस बीच सीएडी के सभी कलाकारों को दर्शकों का प्यार मिला। कुछ किरदारों को दर्शकों ने खास तौर पर पसंद किया। एसीपी प्रद्युमन, सीनियर इंस्पेक्टर अभिजीत, सीनियर इंस्पेक्टर दया, पंकज, श्रेया, पुरी, डॉक्टर सालुंखे, डॉक्टर तारिका को आज भी दर्शक याद करते हैं। दिवंगत अभिनेता दिनेश फडनीस ने इंस्पेक्टर फ्रेडरिक्स की भूमिका निभाई जो एक महत्वपूर्ण और हास्य भूमिका थी, जिसे उन्होंने बखूबी निभाया। पिछले साल उनका निधन हो गया। इसके बाद देखने को मिला कि एक्टर्स समेत दर्शकों ने भी अपनी खुशी जाहिर की। फिलहाल टीजर में एसीपी प्रद्युमन, सीनियर इंस्पेक्टर अभिजीत, सीनियर इंस्पेक्टर दया के चेहरे नजर आ रहे हैं। हालांकि नए सीजन में 'सीआईडी' के और कौन से पुराने कलाकार नजर आएंगे। ये तो प्रोमो रिलीज होने के बाद ही पता चलेगा। अब फैंस इस बात पर ध्यान दे रहे हैं कि सीजन के कौन से कलाकार दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए वापस आएंगे।

डब्ल्यूटीटी चैंपियंस : बर्नडेट स्जोक्स को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची मनिका बत्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने शुक्रवार रात फ्रांस के मोंटपेलियर में विश्व की 14वें नंबर की खिलाड़ी बर्नडेट स्जोक्स को हराकर डब्ल्यूटीटी चैंपियंस स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व की 30वें नंबर की खिलाड़ी बत्रा ने आठवीं वरीयता प्राप्त रोमानियाई खिलाड़ी के खिलाफ 29 मिनट में 3-1 (11-9, 6-11, 13-11, 11-9) से करीबी मुकाबले में जीत हासिल की। भारतीय खिलाड़ी ने तीसरे गेम में दो गेम प्वाइंट बचाए। चौथे गेम में 4-7 से पिछड़ने के दौरान स्जोक्स ने टाइम-आउट लिया। हालांकि, बत्रा ने अपने 29 वर्षीय प्रतिद्वंद्वी की देर से वापसी का मुकाबला किया और अपने दूसरे मैच प्वाइंट को स्कोर में बदलकर मैच को 6-5 से जीत लिया। इस तरह हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में उनका स्कोर 6-5 हो गया। बत्रा ने पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल में भारत की 3-2 की जीत में स्जोक्स को भी हराया था। फ्रांस की राजधानी में ओलंपिक में एकल में राउंड ऑफ 16 तक पहुँचने वाले देश की पहली खिलाड़ी बनकर इतिहास रचने वाली भारतीय खिलाड़ी का अगला मुकाबला शनिवार को चीन की कियान तियानी से होगा।

विश्व की 21वें नंबर की खिलाड़ी कियान ने अपने राउंड ऑफ 16 मैच में शीर्ष वरीयता प्राप्त और हमवतन वांग यिदी को 3-0 (11-7, 11-9, 13-11) से हराया। बत्रा ने अपने अभियान की शुरूआत यूएसए की लिली झांग पर 3-0 (11-4, 11-8, 12-10) की शानदार जीत के साथ की। ड्रॉ में शामिल अन्य भारतीय श्रीजा अकुला को पहले दौर में विश्व की 13वें नंबर की खिलाड़ी प्यूर्टो रिको की एड्रियाना डियाज से 3-2 (6-11, 11-7, 11-1, 8-11, 11-8) से हार का सामना करना पड़ा।

आरजी कर अस्पताल में भ्रष्टाचार मामला : दो डॉक्टरों के खिलाफ विभागीय जांच की तैयारी शुरू

एजेंसी

कोलकाता। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बाद दो डॉक्टरों के खिलाफ विभागीय जांच की प्रक्रिया आरंभ करने की तैयारी की जा रही है। आरोप है कि इस अस्पताल के फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. देवाशीष सोम और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुजाता घोष अस्पताल में भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में संलिप्त हैं। इस मामले में सीबीआई ने इन दोनों डॉक्टरों के खिलाफ राज्य स्वास्थ्य विभाग को चिट्ठी भेजी है, जिसमें

विभागीय कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। सीबीआई सूत्रों के अनुसार, नौ अक्टूबर को भेजी गई इस चिट्ठी में स्वास्थ्य सचिव और राज्य के मुख्य सचिव को सूचित किया गया था कि आरजी कर अस्पताल में चल रहे भ्रष्टाचार में इन दोनों डॉक्टरों की भूमिका संदिग्ध है। इसके जवाब में स्वास्थ्य विभाग ने सीबीआई को बताया कि उन्हें इस विषय में पहले से जानकारी नहीं थी, लेकिन सीबीआई के पत्र के आधार पर विभागीय जांच की प्रक्रिया आरंभ करने की दिशा में कदम उठाए जा सकते हैं।

स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सीबीआई के आरोपों के बाद विभाग ने प्रतिउत्तर भेजा है और संबंधित आरोपों की विभागीय जांच की तैयारी शुरू की जा रही है। स्वास्थ्य भवन के एक अधिकारी के अनुसार, आर.जी. कर अस्पताल द्वारा औषधियों और चिकित्सा संबंधी सामग्री की खरीद के लिए जो बजट मंजूरी के लिए स्वास्थ्य विभाग से मांगा गया था, उसे विभाग द्वारा मंजूर किया गया था। इस विषय में विस्तृत जानकारी सीबीआई को दी गई है। इससे पूर्व सुप्रीम कोर्ट में आरजी कर अस्पताल के डॉक्टरों के वकील ने मामले की सुनवाई में कहा था कि कॉलेज में भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारियों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इसके जवाब में राज्य के वकील ने कहा कि सीबीआई मामले की जांच कर रही है और भ्रष्टाचार में शामिल अधिकारियों के नाम साझा किए जाने पर राज्य सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई पर विचार करेगी। इसके बाद, सीबीआई ने स्वास्थ्य विभाग को एक चिट्ठी भेजी, जिसमें डॉ. देवाशीष सोम और डॉ. सुजाता घोष के नाम का जिक्र किया गया।

सीबीआई के अनुसार, इन दोनों डॉक्टरों को कई बार पूछताछ के लिए बुलाया गया है, और इन पर पूर्व प्रधानाचार्य संदीप घोष के ह्यकरीबीह्न होने का आरोप है। साथ ही, इन पर भ्रष्टाचार और अवैध वित्तीय लेन-देन में शामिल होने के ठोस प्रमाण मिलने का दावा किया गया है।

इस प्रकरण में अब विभागीय जांच की प्रक्रिया स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

चक्रवात दाना की वजह से बंगाल में दो और लोगों की मौत, मरने वालों की संख्या हुई तीन

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में दाना चक्रवात के कहर से मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो गई। शुक्रवार दोपहर को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि की थी। उसके बाद देररात तक दो और लोगों के मरने की पुष्टि हुई। शनिवार को राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को कोलकाता और हावड़ा में जमा पानी के कारण दो युवकों की मौत हो गई। कोलकाता में एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई, जबकि हावड़ा में दूसरे युवक की गड्ढे में गिरने से जान चली गई।

कोलकाता के भवानीपुर इलाके में शुक्रवार देर शाम को जस्टिस द्वारकानाथ रोड पर 25 वर्षीय सौरभ प्रसाद गुप्ता की करंट लगने से मौत हो गई। सौरभ बिहार के निवासी थे लेकिन कोलकाता में अपने पिता के साथ एक भुजिया की दुकान चलाते थे और वहीं रहते थे। शाम करीब पांच बजे, जब वह अपने घर से दुकान की ओर जा रहे थे, सड़क पर पानी भरा हुआ था। स्थानीय पार्षद असीम बोस ने बताया कि उस इलाके में नगरपालिका द्वारा कोई स्ट्रीट लाइट नहीं है। एक घर की रेलिंग से निकली हुई बिजली की तार से सौरभ को करंट लग गया और वह पानी में गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने बांस के सहारे उन्हें बाहर निकाला और शंभुनाथ पंडित अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सौरभ के परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इस पर नगर पालिका के मेयर परिषद सदस्य संदीपरंजन बक्सी ने कहा कि, दुर्घटना स्थल पर कोई नगरपालिका का लैंप पोस्ट नहीं था। अवैध रूप से एक घर के मीटर बॉक्स से तार खींचकर बिजली का कनेक्शन लिया गया था। इस मामले की जांच पुलिस और सीईएससी (कोलकाता इलेक्ट्रिक सप्लाई कॉरपोरेशन) द्वारा की जा रही है। सीईएससी ने भी बयान में कहा कि दुर्घटनास्थल के पास के एक घर से अवैध रूप से बिजली की तार खींची गई थी। पुलिस ने उस घर के मालिक के खिलाफ शिकायत दर्ज करने का निर्णय लिया है और संबंधित मीटर बॉक्स को सील कर दिया गया है। दूसरी घटना हावड़ा के 42 नंबर वार्ड के तांतिपाड़ा इलाके में हुई, जहां 38 वर्षीय गौतम चट्टोपाध्याय की मौत हो गई। वे हावड़ा नगर पालिका के सफाई विभाग में अस्थायी कर्मचारी थे। शुक्रवार शाम वे काम से लौट रहे थे, तभी पानी में छुपे एक गड्ढे में उनका पैर फिसल गया और वे गिर गए। गिरने के बाद वे बेहोश हो गए और काफी देर तक उसी पानी में पड़े रहे। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हावड़ा जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

गौतम के चाचा तपन चट्टोपाध्याय ने बताया कि उनके भतीजे की मौत उस गंदे पानी में गिरने से हुई है। स्थानीय निवासी विश्वनाथ कर ने कहा, ₹वह लगभग एक घंटे तक पानी में पड़े रहे और किसी ने उन्हें नहीं निकाला।

कोरबा में खदान हादसा: ओवरबर्डन धंसने से मजदूर की मौत, दो घायल

एजेंसी

कोरबा । एसईसीएल की गेवरा परियोजना खदान में नाली निर्माण के दौरान शुक्रवार शाम ओवरबर्डन की मिट्टी धंसने से एक मजदूर की मौत हो गई और दो अन्य घायल हैं। हादसा 4 नंबर गेट के पास हुआ। त्रिवेणी कंपनी द्वारा किए जा रहे काम में पेटी ठेकेदार के तीन मजदूर विशाल नायक (26वर्ष), करण और उनके साले काम कर रहे थे। मिट्टी-पत्थर गिरने से विशाल और करण मलबे में दब गए। विशाल की मौत हो गई जबकि करण और उनके साले घायल हैं।

प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार साऊथ ईस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की गेवरा खदान के चार नंबर गेट के पास नाली निर्माण का काम त्रिवेणी कंपनी द्वारा कराया जा रहा था। इसके लिए कंपनी ने पेटी ठेकेदार को सिविल वर्क का काम दिया था। शुक्रवार को शाम चार बजे अचानक नजदीक में ही स्थित ओबी से मिट्टी खिसकने लगी। बताया जा रहा है कि एक ही परिवार के तीन मजदूर विशाल नायक, 26 वर्ष, उसका भाई करण व साला काम कर रहे थे। पत्थर गिरने की घटना देख तीनों भागने लगे, पर विशाल व उसका भाई मलबे में दब गए। वहीं विशाल का साला किसी तरह दौड़ लगाकर भाग निकला, पर वह भी पत्थर से चोट लगने की वजह से घायल हो गया। इस घटना की जानकारी मिलने पर प्रबंधन में हड़कंप मच गया। एंबुलेंस से घायलों को गेवरा के विभागीय नेहरू शताब्दी अस्पताल भेजा गया। यहां चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत विशाल को मृत घोषित कर दिया। करण को गहन उपचार के लिए अन्य अस्पताल रेफर कर दिए जाने की जानकारी सामने आई है।

पुलिस ने वैधानिक कार्रवाई के बाद शव मच्यूर्री में रखा दिया है। घायलों को उपचार के लिए अन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है।एसईसीएल प्रबंधन ने मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता और घायलों के इलाज के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया है।इस हादसे के बाद खदान में काम रोक दिया गया है और जांच के आदेश दिए गए हैं।मुख्यमंत्री ने भी इस हादसे पर दुख व्यक्त किया है और मृतक के परिजनों को संवेदना प्रकट की है।पुलिस और प्रशासन घटना की जांच में जुटे हैं और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इजराइल का ईरान, सीरिया, लेबनान पर हमला, सैन्य और हिजबुल्लाह के ठिकानों को बनाया निशाना

एजेंसी

तेलअवीव। इजराइल ने ईरान पर बड़ा हमला किया है। इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने उसके सैन्य ठिकानों पर सटीक लक्षित हमले कर उसकी नींद उड़ा दी। ईरान सात अक्टूबर से इजराइल की नाक में दम किए है। इजराइल की वायुसेना ने उसे माकूल जवाब दिया है। इस पूरे अभियान की निगरानी चीफ ऑफ जनरल स्टाफ हरजी हलेवी और वायुसेना के कमांडिंग ऑफिसर मेजर जनरल तोमेर बार कर रहे हैं। आईडीएफ के आधिकारिक एक्स हैंडल में आज सुबह अब से

कुछ देर पहले यह जानकारी दी गई है। इस बीच ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि तेहरान और आसपास के क्षेत्र में जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई। तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के ठिकानों पर हमला किया गया। हालांकि कोई नुकसान नहीं हुआ। सरकारी टीवी ने तेहरान के इमाम खुमैनी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की फुटेज जारी की। इसमें यात्री अपनी फ्लाइट्स से उतरते दिख रहे हैं। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी सना की खबर के अनुसार, इजराइल ने सीरिया के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में कुछ सैन्य ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की है। हालांकि, इजराइल ने सीरिया पर हमला की पुष्टि नहीं की है। आईडीएफ की एक्स पोस्ट के अनुसार, चीफ ऑफ जनरल स्टाफ हरजी हलेवी और इजराइल की वायुसेना के कमांडिंग ऑफिसर मेजर जनरल तोमेर बार ने कैंप राबिन में वायुसेना के भूमिगत कमांड सेंटर से ईरान पर हमले की कमान संभाल रखी है। फिलहाल आईडीएफ के लड़ाकू विमान ईरान में सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले कर रहे हैं। आईडीएफ की एक्स पोस्ट में कहा गया है कि ईरान की धरती से इजराइल पर सीधे हमले किए गए हैं। दुनिया के हर दूसरे संप्रभु देश की तरह इजराइल के पास भी प्रतिक्रिया देने का अधिकार और कर्तव्य है। इजराइल अपनी रक्षा के लिए आक्रामक जवाब देगा। इस पर ईरान की अर्धसरकारी तस्नीम संवाद समिति ने कहा कि ईरान इजरायल के किसी भी आक्रमण का जवाब देने को तैयार है। इजरायल पर बदले की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

एजेंसी

काजलगांव में हुए दर्दनाक हादसे में मारे गए शख्स की अभी तक नहीं हुई है पहचान

चिरांग (असम)। चिरांग जिला मुख्यालय काजलगांव में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर हुई एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत हो गई। एक अपंजीकृत होंडा मोटरसाइकिल को एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। तेज रफ्तार वाहन की टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल सवार का शव क्षत-विक्षत होकर नेशनल हाईवे पर बिखर गया।

काजलगांव में हुए दर्दनाक हादसे में मारे गए शख्स की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। हादसे की खबर मिलते ही काजलगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए काजलगांव के जेएसबी सिविल अस्पताल भेज दिया।

चिन्मय ब्रह्मचारी ने चेताया- बांग्लादेश से हिन्दुओं को बेदखल किया तो अफगानिस्तान या सीरिया बन जाएगा

एजेंसी

चटगांव (बांग्लादेश)। बांग्लादेश के प्रमुख हिन्दू संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी ने कहा कि अगर कोई हमें इस देश से बेदखल करना चाहता है तो बांग्लादेश पक्के तौर पर अफगानिस्तान या सीरिया बन जाएगा। लोकतांत्रिक ताकत छिन्न-भिन्न हुई तो बांग्लादेश सांप्रदायिकता का अभयारण्य बन जाएगा। उन्होंने यह चेतावनी यहां के लालदिघी मैदान से शुक्रवार को हिन्दुओं की विशाल सभा में अंतरिम सरकार को दी।

अत्याचार की कहानी

ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदायों पर दमन के खिलाफ कार्रवाई हो। समुचित मुआवजा दिया जाए। हिन्दुओं पर आक्रमण बंद हों। उन्हें कानूनी सुरक्षा प्रदान की जाए। चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी बांग्लादेश सनातन जागोरोन मोनचो के प्रवक्ता और पुंडरीक धाम के प्रमुख हैं। बांग्लादेश सनातन जागोरोन मोनचो पांच अगस्त को अवामी लीग सरकार के पतन के बाद हिन्दू मंदिरों, घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर हुए हमलों और शिक्षकों के जबरन इस्तीफे समेत आठ मांगों के लिए न्याय की मांग को लेकर दो महीने से अधिक समय से विरोध प्रदर्शन कर रहा है।

आठ मांगों को पूरा कराने का संकल्प

चिन्मय ब्रह्मचारी ने कहा कि हिन्दुओं पर जितना अधिक अत्याचार होगा, वह उतना ही अधिक एकजुट होगा। यह एकता बांग्लादेश की आजादी के बाद से बंगाल की संस्कृति की एकता है। इस एकता को किसी भी तरह से तोड़ा नहीं जा सकता है। 19 सदस्यों की समन्वय समिति बनाई गई है। इसका गठन आठ सूत्री मांगों को पूरा कराने के लिए किया गया है।

बिना देरी के न्यायाधिकरण की स्थापना की जाए : उनकी अन्य मांगों में अल्पसंख्यकों पर अत्याचारों की सुनवाई के लिए त्वरित सुनवाई न्यायाधिकरण की स्थापना, बिना किसी देरी के अल्पसंख्यक संरक्षण अधिनियम और अल्पसंख्यकों के लिए एक अलग मंत्रालय का गठन, अल्पसंख्यक कल्याण ट्रस्टों को फाउंडेशन का दर्जा देना, निहित संपत्ति की वसूली शामिल है। प्रत्येक शैक्षणिक संस्थान में अल्पसंख्यकों के लिए पूजा स्थलों का निर्माण और प्रत्येक छात्रावास में प्रार्थना कक्ष का आवंटन, संस्कृत और पाली शिक्षा बोर्डों का आधुनिकीकरण और दुर्गा पूजा के लिए पांच दिन की छुट्टी। सभा को तपनंद गिरि महाराज, रविश्वरानंद पुरी महाराज, लीलाराज गौड़ दास ब्रह्मचारी, महंत सचिंददान पुरी महाराज, मुरारी दास बाबाजी, प्रांजलानंद पुरी महाराज के साथ-साथ पत्रकार, वकील, शिक्षक और विभिन्न वर्गों प्रतिनिधियों ने भी संबोधित किया। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, कई अधिकार समूहों ने कहा है कि सितंबर तक 1,000-2,000 से अधिक हमले हुए। इनमें से 600 से कम घटनाओं में कोई राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता नहीं थी। इसके अलावा, पुलिस ने कहा कि अक्टूबर में दुर्गा पूजा को केंद्र में रखते हुए लगभग 35 घटनाएं हुईं।

हिन्दू करेंगे हर मंडल में रैली, सभी जिलों में सभा

उन्होंने घोषणा की कि हिन्दू हर मंडल में सामूहिक रैलियां और हर जिले में सभाएं करेंगे। उसके बाद ढाका की ओर लंबा मार्च होगा किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि संसद में हिन्दुओं के लिए आनुपातिक आधार पर सीटों की व्यवस्था की जाए। उन्होंने चेताया कि यदि आवश्यक हुआ तो मतदान का बहिष्कार करेंगे। लोकतंत्र के नाम पर तमाशा बर्दाश्त नहीं होगा। अन्य वक्ताओं ने कहा कि आजादी के बाद से ही बांग्लादेश में हिन्दुओं की हमेशा उपेक्षा की गई है। हर सरकार हिन्दुओं की पीड़ा, अन्याय और अत्याचार को छुपाने की कोशिश करती है। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि दशकों से अल्पसंख्यकों को हत्या, यातना, भूमि कब्जा और उत्पीड़न के लिए न्याय नहीं मिला। दण्ड से मुक्ति की संस्कृति ने अपराधियों को ऐसी घटनाओं को दोहराने के लिए प्रोत्साहित किया है।

न्यूज IN ब्रीफ

शिवसेना यूबीटी ने जारी की 15 उम्मीदवारों की दूसरी सूची

मुंबई। शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 15 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की है। पहली सूची में उद्धव ठाकरे ने 65 उम्मीदवारों की घोषणा की थी। अब तक ठाकरे 70 नामों की घोषणा कर चुके हैं। महाविकास आघाड़ी में सीटों के बंटवारे में शिवसेना यूबीटी को 90 सीटें मिली हैं। बाकी 20 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा जल्द हो सकती है। शिवसेना की दूसरी सूची में शिवसेना के ग्रुप लीडर अजय चौधरी को शिवडी और पूर्व विधायक अनिल गोटे को धुले से जबकि जयश्री शेल्के को बुलढाणा से उम्मीदवार बनाया गया है। शिवसेना की दूसरी सूची में धुले शहर से अनिल गोटे, चोपड़ा से राजू तडवी, जलगांव शहर से जयश्री सुनील महाले, बुलढाणा से जयश्री शेलके, दिग्रस से पवन श्यामलाल जयसवाल, हिंगोली से रूपाली राजेश पाटिल, परतुर से आसाराम बोराडे , देवलाली से योगेश घोलप, कल्याण पश्चिम से सचिन बसर, कल्याण पूर्व से धनंजय बोडारे, वडाला से श्रद्धा श्रीधर जाधव, शिवडी से अजय चौधरी, भायखला से मनोज जमसुटकर, श्रीगोंडा से अनुराधा राजेंद्र नागवड़े और कनकवली से संदेश भास्कर पारकर को उम्मीदवार बनाया गया है।

नाकाबंदी तोड़ कर भागे ट्रक से पकड़ी खेर की लकड़ी

चित्तौड़गढ़। वन विभाग चित्तौड़गढ़ की टीम ने शनिवार सुबह कार्रवाई के दौरान एक ट्रक से करीब सात टन वजनी खेर की गीली लकड़ी पकड़ी है। इसका अनुमानित मूल्य करीब सात लाख रुपये बताई जा रही है। ट्रक का चालक नाकाबंदी तोड़ कर भागा था, जिसे वन विभाग की टीम ने पीछा कर रुकवाया। लेकिन चालक ट्रक को हाईवे पर छोड़ फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। क्षेत्रीय वन अधिकारी राजेंद्र चौधरी ने बताया कि एक ट्रक में खेर की लकड़ी के परिवहन की सूचना मिली थी। इस पर उपवन संरक्षक विजय शंकर पांडे के निर्देश पर टीम का गठन कर वन विभाग की टीम उदयपुर-चित्तौड़गढ़ सिक्सलेन स्थित मंगलवाड चौराहे पर पहुंची। डूंगला की ओर से आने वाले एक ट्रक पर नजर रखी जा रही थी। सूचना के मुताबिक डूंगला की और से ट्रक आता दिखाई दिया, जिसे रोकने का इशारा किया। लेकिन ट्रक का चालक नाकाबंदी तोड़ते हुए वाहन को चित्तौड़गढ़ हाईवे की तरफ भाग कर ले गया। इस पर वन विभाग की टीम ने पीछा कर उदयपुर-चित्तौड़गढ़ सिक्सलेन पर पीछा किया। चालक ट्रक को सड़क किनारे ही छोड़ कर खेतों से होता हुआ भाग निकला। वन विभाग की टीम ने इस ट्रक की तलाशी ली। इसमें खेर की गीली लकड़ी बरामद हुई। इसका वजन सात टन के आस-पास निकला है। बड़ी बात यह है कि खेर की गीली लकड़ी को छील कर तस्करी की जा रही थी। ऐसे में किसी आरा मशीन से लाने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। फिलहाल वन विभाग की टीम मामले की जांच में जुटी हुई है। मौके पर क्षेत्रीय वन अधिकारी राजेंद्र चौधरी के अलावा वनपाल मांगीलाल मीणा, वनरक्षक नंदलाल, श्रवणराम व रामचंद्र तेली की टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। प्रारंभिक रूप से यह खेर की लकड़ी दिल्ली एवं हरियाणा की गुटखा फैक्ट्री में ले जाने की आशंका है। फिलहाल वन विभाग की टीम ट्रक नंबर के आधार पर मामले की जांच में जुटी हुई है।

सोफा कवर बना रही जय भोले बाबा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं

कानपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत कानपुर नगर के ग्राम पंचायत गोपालपुर की महिलाएं स्वयं सहायता समूह के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही है। जय भोले बाबा महिला स्वयं सहायता समूह की तीन महिलाएं कुशन और सोफा कवर बनाकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में जुटी हुई है। यह जानकारी शनिवार को कानपुर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) की उपायुक्त सुधा शुक्ला ने दी। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत गोपालपुर में 11 स्वयंसहायता समूह महिलाओं के संचालित हो रहें है। जिनमें से कोई मोमबत्ती, कोई प्रेरणा कैंटीन, कचौड़ी मसाला, व मुगौड़ी, लड्डू गोपाल के कपड़े, सरसो का शुद्ध तेल उत्पादन, हैंडमेड चॉकलेट, मोमोज बनाने का कार्य सहित अन्य कार्य करके अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का अच्छा प्रयास कर रही है। इसके साथ ही कुछ समूह की महिलाएं मूर्ति बनाने का भी कार्य कर रही हैं। जय भोले बाबा महिला स्वयं सहायता समूह की अध्यक्ष सरला ने बताया कि अपने परिवार की पूरी जिम्मेदारी निभाने के साथ ही इस कार्य में लगी हुई हूं। इस समूह के माध्यम से कुशन और सोफा कवर तैयार करने में तीन लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। हालांकि हमारे समूह में कुल 12 महिला सदस्य है। समूह की सचिव उर्मिला और कोषाध्यक्ष रीता देवी है। इस कार्य से होने वाली आमदनी से अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने का एक प्रयास जारी है।

सड़क पार कर रही महिला को ट्रक ने कुचला, मौत

मीरजापुर। पड़री थाना क्षेत्र के डगमगपुर चौराहे के पास शुक्रवार को सड़क पार कर रही महिला को ट्रक ने कुचल दिया। महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे से आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने डगमगपुर-बरगवां मार्ग पर जाम लगा दिया। पुलिस के समझाने पर एक घंटे बाद जाम हटा। रामनगर सीकरी गांव निवासी सुशीला देवी (55) पत्नी श्यामनारायण घर से चुनार थाना क्षेत्र के बरगवां गांव अपनी बहन मुन्नर देवी के यहां जा रही थी। डगमगपुर चौराहे पर सवारी वाहन से उतरकर डगमगपुर-बरगवां मार्ग पर पहुंची ही थी कि पीछे से आ रहे ट्रक ने उसे कुचल दिया जिससे सुशीला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजन एवं ग्रामीणों ने सड़क पर ब्रेकर की मांग करते हुए डगमगपुर-बरगवां मार्ग पर जाम लगा दिया जिससे आवागमन बाधित हो गया। सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक पड़री दयाशंकर ओझा के समझाने पर लगभग एक घंटे बाद जाम समाप्त हुआ।

न्यूज ब्रीफ

छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री अमरजीत भगत का चान्हो में स्वागत

चान्होः छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक अमरजीत भगत का चान्हो में कांग्रेस नेता इरशाद खान की अगुवाई में भव्य स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में विधायक युडी मिंज और पूर्व विधायक विनय भगत भी शामिल हुए, जो क्षेत्रीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ मौजूद रहे। इस अवसर पर अमरजीत भगत ने छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार की नीतियों पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सत्ता में आने के लिए जनता को झांसे में रखा और इसके बाद से आदिवासी समुदाय के शोषण में वृद्धि हुई है। भगत ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने हाल के दिनों में आदिवासियों पर हमले तेज कर दिए हैं और उनकी जमीनें उद्योगपतियों को सौंपने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।उन्होंने झारखंड के आदिवासी समुदाय को सावधान करते हुए अपील की कि वे भाजपा के बहकावे में न आएं। भगत ने आग्रह किया कि यहां की जनता इंडिया गठबंधन की सरकार का समर्थन करें ताकि क्षेत्र में शांति और विकास बना रहे। इस कार्यक्रम में अतिकुर रहमान, हाजी अबदाल, अतीक, नवल साहू, अमित महली, और हारून खान सहित कई गणमान्य लोग और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म

मांडरः थाना क्षेत्र की एक किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला शुक्रवार को प्रकाश में आया है। पीड़िता द्वारा द्वारा थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार वह मुड़मा स्थित अपनी दीदी के घर गई थी जहां से उसे चौबीस अक्टूबर को घुघरी निवासी कमल महतो का बेटा हरकेश महतो उसे घर पहुँचाने की बात बोला और अपने बाइक में बिठा लिया। पर घर ले जाने के बजाय वह उसे बुढ़मू थाना क्षेत्र के तिरु फॉल ले गया और वहां उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। वहां से घर आकर उसने देर शाम अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी जिसके बाद मंगलवार को परिजनों ने मांडर थाने जाकर मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिसमामले छान बिन कर रही है।

अवैध शराब कारोबार पर पुलिस की छापेमारी, एक गिरफ्तार

मांडरः मांडर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बिसाहा खटंगा गांव में छापेमारी करते हुए अवैध शराब के कारोबारी अशोक कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि बिसाहा खटंगा गांव के एक दुकान में खुलेआम अवैध शराब की बिक्री की जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद मांडर थाना प्रभारी राहुल के नेतृत्व में छापेमारी अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान अशोक कुमार के दुकान और घर से विभिन्न ब्रांड की कुल 40 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई। गिरफ्तारी के बाद अशोक कुमार को पुलिस ने हिरासत में लेकर जेल भेज दिया। मांडर पुलिस का यह अभियान क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लगाने के प्रयास का हिस्सा है।

प्रख्यात कवि उमर चन्द जायसवाल नहीं रहे

चक्रधरपुरः चक्रधरपुर के लोकप्रिय कवि और कविता के प्रति कविता से हमेशा जुड़े रहने वाले प्रख्यात कवि एवं चक्रधरपुर में पहले लॉज कंचन लॉज के संचालक उमर चन्द जायसवाल का निधन कल हो गया। आज उनका अंतिम संस्कार स्थानीय शमशान घाट में किया गया। उनके अंतिम संस्कार में काफी संख्या में लोग शामिल हुए। गौरतलब हो कि उमर चन्द जायसवाल काफी साहित्यिक व्यक्ति थे। उनकी कविता और काव्य पाठ काफी सराही जाती थी। आचार्य शशिकर, रामावतार बिन्दराजका के अलावे अन्य कवियों के साथ सात्यिक लगाव काफी पुराना रहा है। उनके निधन पर कवि जगत में एक रिक्तिका आ गयी है जिसकी भरपाई संभव नहीं है। वहीं उनके मित्रगण, शुभचिन्तक ने इस दुःख की बेला में शोक संतप्त परिवार के प्रति अपना संवेदना भी व्यक्त किया है।

नामांकन में वाहनों के काफिले से एनएच पर कई किलोमीटर का लगा लंबा जाम

घाटशिला : अनुमंडल कार्यालय में शक्ति प्रदर्शन करते हुए हजारों गाड़ियों का काफिला लेकर विभिन्न दल के प्रत्याशी नामांकन करने पहुंचे थे। इसके कारण एनएच 18 फोरलेन पर गुरुवार को फूलडूंगरी चौक से लेकर फूलपाल ओवर ब्रिज तक सड़क के दोनों किनारे लगभग चार किलोमीटर तक लंबा जाम लग रहा। दोपहर लगभग 1 बजे से 3 बजे तक जाम में लोग फंसे रहे। इस जाम में एंबुलेंस से लेकर बच्चों के स्कूल वाहन सड़क पर रेंगते रहे। इन्होंने किया नामांकनः बहरागोड़ा एवं घाटशिला विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी डॉ दिनेशानंद गोस्वामी एवं बाबूलाल सोरेन ने गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के साथ घाटशिला अनुमंडल कार्यालय मैं अपना परिचय दाखिल किया। उनके साथ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दीपक प्रकाश, ग्रामीण जिला अध्यक्ष चंडी चरण साव समेत कई भाजपा के वरीय नेता मौजूद थे।

वरीय आईपीएस अधिकारी राजीव रंजन सिंह का भाजपा छोड़ना पीड़ादायक

बिनय मिश्रा

भारतीय पुलिस सेवा 2006 बैच के आईपीएस अधिकारी डेढ़ वर्ष पूर्व भाजपा मुख्यालय रांची में तत्कालीन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह राज्य सभा सांसद दीपक प्रकाश के उपस्थिति में वरीय पार्टीजनों की उपस्थिति में भाजपा में शामिल होकर पार्टी के प्रति अपनी कटिबद्धता और संगठन की मजबूती हेतु काफी कार्य और प्रयास किया। श्री सिंह झारखण्ड के ऐसे पहले आईपीएस अधिकारी हैं जो एमपीएससी (मध्य प्रदेश सर्विस कमीशन) से चयनित होकर अनुमण्डल पदधिकारी बनें। बाद में बीपीएससी (बिहार पब्लिक सर्विस कमीशन) से चयनित होकर डीएसपी बनें और यह अपने आप में यह रिकार्ड है कि श्री सिंह जमशेदपुर के डीएसपी, एएसपी, एसपी भी रहें। इसके अलावा जमशेदपुर में श्री सिंह एसपी ट्रैफिक, एसपी ग्रामीण और सीटी एसपी भी रहें। इस प्रकार से श्री सिंह रांची के तीनों एसपी पद पर रह चुके हैं। इसके अलावा गोड्डा, पाकुड़ के भी एसपी रहें तथा जगुवार के साथ-साथ सिमडेगा जिला में सर्वाधिक समय तक साढ़े तीन वर्ष तक लोकप्रिय पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थापित रहें। इसके अलावे झारखण्ड पार्टी के अध्यक्ष व ग्रामीण विकास मंत्री रह चुके एनोस एक्का की गिरफ्तारी सिमडेगा में बतौर पुलिस अधीक्षक रही थी। हालांकि इसके बाद उनका तबादला का प्रक्रिया भी चला किन्तु चुनाव आ जाने के कारण तत्काल समय इनका तबादला स्थगित हो गया था। इसके पश्चात इनके बेहतर कार्यप्रणाली और दक्षता तथा प्रशासनिक कार्यों को बेहतर ढंग से सम्पादित करने के फलस्वरूप इन्हें 2019 के लोकसभा चुनाव में तत्कालीन आईजी आशीष बत्रा के साथ चुनाव कार्य सम्पन्न कराने में अपनी बेहतर भूमिका का निर्वहन किया था जिसके लिए वे काफी सराहे भी गये थे। श्री सिंह प्रोफेसर भी रह चुके हैं जिसके कारण इनका शिक्षा के क्षेत्र में जबर्दस्त और मजबुत पकड़ भी है। इनकी पत्नी मंजु सिंह भी शिक्षा के क्षेत्र में काफी सक्रिय रही हैं। श्री सिंह कोल्हान के लोकप्रिय डीआईजी भी रह चुके हैं तथा इनके कार्यकाल में पुलिस को तीनों जिला में काफी उपलब्धि और कामयाबी भी मिली। कोरोना काल में इन्होंने चिकित्सकों से मार्मिक अपील कर उन्हें उनका कर्तव्य और दायित्व का बोध भी कराया जो काफी कारगर रहा था। इसके अलावा श्री सिंह जैप के डीआईजी भी रहें और यहीं से वे सेवानिवृत भी हुए थे। ऐसे आईपीएस अधिकारी से राज्य गौरवान्वित होता है और ऐसे अधिकारी प्रेरणास्त्रोत रहे हैं।

रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर ईस्ट ने छह स्कूलों में किया इंटरैक्ट क्लब का गठन

जमशेदपुरः रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर ईस्ट ने छह नए इंटरैक्ट क्लबों की स्थापना की। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन शुभ्रजीत बसु ने की। इसका उद्देश्य समुदाय में युवाओं को नेतृत्व के लिए सशक्त बनाना है। कार्यक्रम का शुभारंभ पौधरोपण से हुआ, जो क्लब के युवाओं के विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक था। इस अवसर पर अतिथि पीडीजी रोटेरियन प्रतीम बनर्जी, एजी रोटेरियन निबा मिश्रा और रोटरैक्ट की जिला चेयर सिमरन सग्गू उपस्थित थीं।

कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन अनिता पॉल, युवा सेवा निदेशक ने किया, जबकि रोटेरियन जयंती दत्त ने स्वागत भाषण देकर युवा नेतृत्व और सामुदायिक सेवा के महत्व पर जोर दिया। मुख्य आकर्षण छह इंटरैक्ट क्लबों के नए अध्यक्षों, सचिवों और कोषाध्यक्षों का शपथ ग्रहण समारोह रहा, जिसे रोटेरियन प्रतीम बनर्जी ने आयोजित किया।

समाजवादी पार्टी की टिकट पर बरही से चुनाव लड़ेंगे उमाशंकर अकेला

बरही से कांग्रेस विधायक रहे उमाशंकर अकेला को कांग्रेस ने टिकट से किया वंचित

ज्योति पाठक

फिल्म जगत में संबंध फिल्म का मुकेश का यह गाना काफी लोकप्रिय है। चल अकेला-चल अकेला-चल अकेला, तेरा मेला पीछे छुटा राही चल अकेला, काफी प्रसिद्ध रहा है और यह वर्तमान समय में बरही के वर्तमान विधायक उमा शंकर अकेला पर लगभग सटीक भी बैठ रहा है क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने वर्तमान समय में उन्हें टिकट से वंचित कर इनके स्थान पर दूसरे को कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी बनाया है। इस परिस्थिति में वर्तमान विधायक चुनाव लड़ने के मुड में हैं और उन्होंने समाजवादी पार्टी से चुनावी मैदान में उतर रहे हैं। गौरतलब हो कि विधानसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस के तत्कालीन विधायक मनोज यादव कांग्रेस को अलविदा कहकर भाजपा में शामिल हो गयें थे। इस परिस्थिति में भाजपा के प्रत्याशी उमा शंकर अकेला भाजपा छोड़ कांग्रेस में चले गयें। कांग्रेस ने उन्हें विधानसभा चुनाव 2019 में अपना प्रत्याशी बनाया और वे बरही से चुनाव जीते। इस प्रकार से कांग्रेस की सीट कांग्रेस को पुनः दिलायी। इस बार कांग्रेस ने उन्हें टिकट से वंचित कर दिया जिससे वे कांग्रेस के झारखण्ड प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष पर कई गंभीर आरोप लगायें। हालांकि राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप सामान्य बात है किन्तु बरही विधानसभा क्षेत्र से उमा शंकर अकेला के चुनावी मैदान में उतरने से बरही विधानसभा चुनाव काफी दिलचस्प होगा ऐसा राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना हे।

झारखंड आंदोलनकारी श्यामा प्रसाद महतो का निधन, शोक

चांडिल : चांडिल अनुमंडल अंतर्गत कुकडू प्रखंड के केंदाअंदा निवासी झारखंड आंदोलनकारी श्यामा प्रसाद महतो का शुक्रवार की रात निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। बीमारी के कारण बीती रात करीब नौ बजे उन्होने अपने पैतृक निवास में अंतिम सांस ली। श्यामा प्रसाद महतो विद्यार्थी काल में छात्र नेता भी रहे थे। ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के एकमात्र डिग्री कॉलेज सिंहभूम कॉलेज चांडिल के अध्यक्ष भी रह चुके थे। अपने कार्यकाल में उन्होंने छात्र हित में कई काम किए थे। श्यामा प्रसाद महतो ने ही चांडिल कॉलेज मोड़

में पहली बार टाटा-बरकाखाना ट्रेन का चेन पुलिंग कर ट्रेन रुकवायी थी।

इसके कारण इन्हें रेलवे पुलिस ने गिरफ्तार किया था और उन्हें एक रात जेल में गुजारना पड़ा था। इसके बाद विद्यार्थियों के आक्रोश और उनकी मांग को देखते हुए चांडिल कॉलेज मोड़ में छात्रों के लिए टाटा-बरकाखाना ट्रेन लगातर रुकती है। झारखंड आंदोलनकारी दिवंगत श्यामा प्रसाद महतो ने वर्ष 1985 में ईचागढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुना भी लड़ चुके थे। इसके अलावे श्यामा प्रसाद महतो 21 अक्टूबर 1982 को तिरुलडीह गोलीकांड में भी छात्रों के धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम में शामिल थे। उनके निधन की जानकारी उनके पुत्र सह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक समीर महतो उर्फ मनीष ने दी।

जमशेदपुर में टाटा स्टील का हाफ मैराथन 24 नवंबर को, तैयारी शुरू

रांची/जमशेदपुर : टाटा स्टील की ओर से जमशेदपुर में 24 नवंबर को हाफ मैराथन दौड़ का आयोजन करेगा। कंपनी के अधिकारियों ने इसकी घोषणा गुरुवार को की। 9वें संस्करण के मैराथन का थीम रन फॉर फिटनेस, रन फॉर फन है। इस साल दौड़ की श्रेणियों में कुछ खास विकल्प शामिल किए गए हैं। आनंद रन 2 किमी की परिवार-मैत्री व गैर-प्रतिस्पर्धी दौड़ में हर आयु वर्ग के प्रतिभागी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा 5 किमी व 10 किमी की मैराथन दौड़ रखी गई है। प्रतिभागियों के लिए कुल करीब 10 लाख रुपय की पुरस्कार राशि रखी गई है। हाफ मैराथन के विजेता को एक लाख का इनाम मिलेगा।

टाटा स्टील के अधिकारियों ने गुरुवार को हाफ मैराथन का ब्रोसियर लांच किया। टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट (कॉपोर्रेट सर्विसेज) चाणक्य चौधरी ने कहा कि खेल लोगों को एकजुट और प्रेरित करने में सहायक हैं। इसी सोच के तहत कंपनी खेलों को बढ़ावा देने के लिए शुरू से तत्पर रही। उन्होंने बताया कि कंपनी का स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट मुख्य आयोजन से पहले 22 व 23 नवंबर को एक्सपो का आयोजन करेगा। सभी प्रतिभागियों को गुडी बैग, टी-शर्ट और रिफ्रेशमेंट बॉक्स दिए जाएंगे। फिट फैमिलीश्रेणी में एक परिवार के चार सदस्य प्रतिभागियों को 10 प्रतिशत छूट मिलेगी। इसके अलावा, फिट टुगेदर श्रेणी में, यदि किसी समूह में न्यूनतम 20 व्यक्ति (कॉपोर्रेट, क्लब, और संस्थानों से) शामिल होते हैं, तो उन्हें 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

लोको पायलट मुकेश राजभाषा प्रतियोगिता में जोन में प्रथम

दक्षिण-पूर्व रेलवे का प्रतिनिधित्व करने का मिला अवसर

आदित्यपुर : दक्षिण पूर्वी रेलवे मुख्यालय गार्डेनरीच कोलकाता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता अनिल कुमार मिश्र ने की और दक्षिण पूर्व रेलवे के चारों रेल मंडल प्रबंधक ने वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। इस अवसर पर हिन्दी को रेलवे में बखूबी लागू करने पर जोर दिया गया। क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विजेताओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेल मंडल के लोको पायलट आदित्यपुर निवासी मुकेश कुमार सिंह को पूरे जोन में प्रथम स्थान हासिल करने के लिए महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्र ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जानेवाले राजभाषा प्रतियोगिता में पूरे दक्षिण पूर्व रेलवे का प्रतिनिधित्व करने

का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस यूनियन के मंडल संयोजक एम के सिंह ने बधाईयाँ दी और कहा कि मेस यूनियन से जुड़े हुए मुकेश कुमार सिंह हमेशा से ही बहुमुखी प्रतिभा के धनी रहे हैं और सदेव लोको पायलट के रुप में अपने बहुत ही सुंदर काम किया है। पूरे देश में चक्रधरपुर रेल मंडल का नाम रौशन करेंगे और मेस यूनियन परिवार के तरफ से मुकेश सिंह को बहुत बहुत बधाई दी। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल विध्दुत अभियंता चन्द्रशेखर ने भी बधाई दिया है। मंडल रेल प्रबंधक महोदय अरूण जतोह राठौर ने भी ऑनलाइन बैठक में बधाई दी।

गुरु ग्रंथ साहिब के गुरता गद्दी दिहाड़े पर साकची गुरुद्वारा में सजेगा दो दिवसीय कीर्तन दरबार

अमृतसर के कथावाचक हरप्रीत सिंह वडाला, ढाढ़ी जत्था निर्मल सिंह जेठुवाल संगत को करेंगे निहाल

जमशेदपुरः सिखों के पवित्र धर्म ग्रंथ, जुगो जुग अटल सतगुरु श्री गुरु ग्रन्थ साहिब का 316वां गुरता गद्दी दिहाड़ा (गुरगद्दी दिवस) मनाने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। धर्म प्रचार कमेटी अकाली दल, जमशेदपुर की ओर से आगामी तीन और चार नवंबर को साकची गुरुद्वारा साहिब में गुरता गद्दी दिहाड़ा हर्षोल्लास के साथ पहली बार मनाया जायेगा।

दो दिवसीय कीर्तन समागम का आयोजन होगाः इस अवसर पर

गुरद्वारा साहिब में दो दिवसीय कीर्तन समागम का आयोजन किया जाना है। अकाली दल जमशेदपुर के सुखदेव सिंह खालसा ने बताया कि इस मौके पर गुरु की नगरी अमृतसर से सुप्रसिद्ध कथावाचक हरप्रीत सिंह वडाला और ढाढ़ी जत्था निर्मल सिंह जेठूवाल के आलावा गुरमेल सिंह मोगा, गुरप्रीत सिंह संगत को गुरबाणी से निहाल करने के लिए शहर पहुंच रहे हैं। वहीं, जमशेदपुर के स्थानीय कीर्तनी संदीप सिंह जवद्दीकलां और दर्शन सिंह सबद-कीर्तन के द्वारा संगत को अकालपुरख की अलौकिक दुनिया से जोड़ेंगे।

कीर्तन समागम के दिन गुरु का अटूट लंगरः अकाली दल के सुखदेव सिंह खालसा और रविंदरपाल सिंह ने कोल्हान की समूची साध संगत से अपील की है कि इस आयोजन का लाभ लेने के लिए साकची गुरुद्वारा साहिब में हाजिरी अवश्य भरें। कीर्तन समागम के दोनों ही दिन गुरु का अटूट लंगर बरताया जायेगा। दूसरी तरफ, रविंदरपाल सिंह ने एक और अपील करते हुए जमशेदपुर की संगत से आह्वान किया है कि गुरु श्री नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य पर अकाली दल जमशेदपुर द्वारा 18 नवंबर को दोपहर 1:30 बजे साकची गुरुद्वारा साहिब में अमृत संचार कराया जायेगा। इसमें अभिलाषी संगत इस अवसर का लाभ लेते हुए अमृत छक कर गुरु के सच्चे सिख अवश्य बनें।